सोशल मीडिया से जुड़ें
Parivehan_Vishesh
YouTube

Title Code : DELHIN28985.
DCP Licensing Number :
F.2 (P-2) Press/2023

www.parivahanvishesh.com

परिवहन विशेष

देश का पहला ट्रांसपोर्ट दैनिक समाचार पत्र

वर्ष 01, अंक 167, नई दिल्ली

बुधवार, 30 अगस्त 2023, मूल्य ₹ 5, पेज 8

आज का सुविचार

कभी भी अपने अतीत से शर्मिंदा न हों क्योंकि आज आप जो कुछ भी हो, वो आपका हिस्सा है।

दिल्ली की नई ईवी नीति चार्जिंग इंफ्रा, खरीद प्रोत्साहन पर होगी केंद्रित

संजय बाटला, सम्पादक

राष्ट्रीय राजधानी अपनी नई ईवी नीति लॉन्च करने की तैयारी कर रही है। 2020 की ईवी नीति 8 अगस्त को खत्म हो गई और सरकार इसे आगे बढ़ाया था। परिवहन आयुक्त आशीष कुंद्रा ने कहा है कि नई ईवी नीति चार्जिंग बुनियादी ढांचे को मजबूत करने और खरीद प्रोत्साहन के लिए वित्तपोषण के दायरे का विस्तार करने पर ध्यान केंद्रित करेगी, जिससे यात्रियों द्वारा ईवी अपनाने को प्रोत्साहित किया जाएगा।

नई दिल्ली। सोमवार को भारतीय जी20 सचिवालय के साथ इंटरनेशनल काउंसिल ऑन क्लीन ट्रांसपोर्टेशन (आईसीसीटी) द्वारा स्वच्छ परिवहन पर आयोजित एक शिखर सम्मेलन में बोलते हुए कुंद्रा ने कहा कि सरकार 2025 तक बस के बेड़े के कम से कम 80 प्रतिशत को इलेक्ट्रिक बनाने का लक्ष्य बना रही है। ईवी नीति नए वाहन सेगमेंट जैसे हल्के और मध्यम-ड्यूटी ट्रकों या मालवाहक वाहनों को भी लक्षित करेगी जो शहर के भीतर संचालन करते हैं। उन्होंने कहा, ₹उदाहरण के लिए, कचरा ढोने वाले वाहन या टैंकर या यहां तक कि स्कूल बसें।₹

राज्य सरकार डिलीवरी सर्विस बेड़े और सभी सरकारी आधिकारिक बेड़े के फुल ईवी परिवर्तन को भी इसी अवधि के दौरान पूरा करने का लक्ष्य रख रही है।

दिल्ली ईवी नीति पहली बार 2020 में कार्बन उत्सर्जन को कम करने और लोगों को बैटरी से चलने वाले वाहनों के इस्तेमाल के लाभों के बारे में जागरूक करने के उद्देश्य से शुरू की गई थी। हालांकि, व्यक्तिगत गतिशीलता बेड़े में इलेक्ट्रिक वाहनों की हिस्सेदारी अभी भी सीमित है।

दिल्ली ईवी सेल के मुताबिक, नीति लागू होने के बाद से शहर में 4,000 ईवी चार्जिंग पॉइंट जोड़े गए हैं। इसके परिचालन में 300 इलेक्ट्रिक बसें भी हैं और इस साल के आखिर तक 1,500 बसें जोड़ी जाएंगी। 2025 तक 8,000 इलेक्ट्रिक बसों का लक्ष्य दिल्ली को कार्बन फुटप्रिंट को कम करने और वाहन प्रदूषण को कम करने की दिशा में बड़ा कदम उठाने में मदद करेगा।

टैंपल'स ऑफ लिबरलाइजेशन एंड वेलफेयर एलाइड ट्रस्ट

रजिस्टर्ड अंडर सैक्शन 60 विद रजिस्ट्रेशन नंबर (152/02-03-2020), एमएसएमई रजिस्ट्रेशन नंबर उद्यम -डीएल -0026470, नीति आयोग रजिस्ट्रेशन नंबर वीओ/ एनजीओ/0303274/25-01-2022 दर्पण रजिस्टर्ड

कार्यालय :- 3, प्रियदर्शिनी अपार्टमेंट, ए -4 पश्चिम विहार, न्यू दिल्ली 110063, कॉरपोरेट

कार्यालय :- 529, समयपुर, मेंन बवाना रोड, नियर बैंक ऑफ़ बड़ौदा दिल्ली 110042

रक्षाबंधन को लेकर DMRC की विशेष तैयारी: चलेगी 106 अतिरिक्त मेट्रो, DTC भी चलाएगी अतिरिक्त बसें

परिवहन विशेष न्यूज

रक्षाबंधन के दिन बहनें अपने भाई की कलाई पर रक्षा सूत्र बांधती हैं। बीते सालों में रक्षाबंधन के दिन दिल्ली मेट्रो में यात्रियों की अत्यधिक भीड़ होने का अनुभव रहा है।

नई दिल्ली। रक्षाबंधन पर दिल्ली मेट्रो ने विशेष तैयारी की है। यात्रियों की सुविधा को ध्यान में रख अतिरिक्त मेट्रो ट्रेन चलाने के साथ ही कई ट्रेनों को स्टैंडबाय में भी रखा गया है। ताकि यात्रियों की भीड़ बढ़ते ही उसे ट्रैक पर दौड़ाई जा सके। वहीं डीटीसी ने भी त्योहार को ध्यान में रख ज्यादा से ज्यादा सीएनजी और इलेक्ट्रिक बसें दौड़ाने की तैयारी की है। जिस रूट पर ज्यादा मांग होगी उस रूट पर अतिरिक्त बस उतार कर यात्रियों की राह आसान की जाएगी।

रक्षाबंधन के दिन बहनें अपने भाई की कलाई पर रक्षा सूत्र बांधती हैं। बीते सालों में रक्षाबंधन के दिन दिल्ली मेट्रो में यात्रियों की अत्यधिक भीड़ होने का अनुभव रहा है। इसे देखते हुए बुधवार को अन्य दिनों के मुकाबले 106 अतिरिक्त ट्रेन चलाने का फैसला लिया है। भारी भीड़ से निपटने के लिए सभी स्टेशनों पर अतिरिक्त कर्मियों की तैनाती रहेगी साथ ही अतिरिक्त टिकट काउंटर भी खोले जाएंगे।

ट्रेनों की फ्रीक्वेंसी और टाइमिंग को लेकर भी विशेष व्यवस्था की गई है। डीएमआरसी के प्रधान कार्यकारी निदेशक अनुज दयाल के अनुसार पूरे दिन अतिरिक्त टिकट काउंटर खुले रहेंगे। यात्रियों की सहायता और मार्गदर्शन के लिए प्रमुख मेट्रो स्टेशनों पर ग्राहक सुविधा एजेंट तैनात रहेंगे। पूरी टीम मॉनिटरिंग करेगी।

उधर, दिल्ली परिवहन निगम ने भी खास इंतजाम यात्रियों को लिए किया है। कश्मीरी गेट, आनंद विहार व सराय काले खां बस अड्डे की ओर आने-जाने वाली बसों के चार से पांच फेरे बढ़ाने का निर्णय लिया है।

दिल्ली मेट्रो का क्रेज लगातार बढ़ रहा

दिल्ली मेट्रो का क्रेज लगातार बढ़ता जा रहा है। दिल्ली की लाइफ लाइन कही जाने वाली मेट्रो ने नया यात्रियों को सफर कराने का रिकार्ड कायम किया है। सोमवार को 68.16 लाख यात्रियों ने मेट्रो से सफर किया। यह संख्या कोविड काल के पहले और अब तक की सबसे अधिक है। दिल्ली मेट्रो रेल कॉरपोरेशन (डीएमआरसी) ने 10 फरवरी 2020 को अधिकतम 66,18,717 दैनिक यात्रियों की संख्या दर्ज की थी। यह रिकार्ड भी सोमवार को टूट गया। डीएमआरसी का कहना है कि यह उपलब्धि समर्पित कर्मचारियों के प्रयासों, दिल्ली एनसीआर निवासियों के समर्थन से प्राप्त हुआ है। विश्व स्तरीय परिवहन लोगों के विश्वास को दर्शाता है।

डीटीसी ने की अतिरिक्त बसें चलाने की तैयारी

रक्षा बंधन को ध्यान में रख डीटीसी ने बेहतर यातायात सुविधा देने के लिए कमर कस ली है। बुधवार को ज्यादा से ज्यादा संख्या में बस चलाने का निर्णय लिया गया है। यात्रियों की अधिकता को ध्यान में रखते हुए यातायात आवश्यकता की पूर्ति के लिए इलेक्ट्रिक बसों को छोड़कर शेष सभी एक्टिव सीएनजी बसें विभिन्न रूट पर दौड़ेंगी। बसों की मांग जिस रूट पर ज्यादा होगी उस रूट पर यातायात निकासी की निगरानी के लिए चेकिंग स्टॉफ तैनात रहेंगे। महिला यात्रियों को किसी तरह की असुविधा नहीं हो इसका खास ख्याल रखा जाएगा। बस रूट की जानकारी के लिए यात्री डीटीसी कॉल सेंटर 011-41400400 व 1800118181 में संपर्क कर जानकारी जुटा सकेंगे।

सरकार की निशुल्क बस यात्रा शुरू, बूथों पर बसें नहीं होने से यात्री परेशान

हरियाणा सरकार ने रक्षाबंधन के त्योहार पर बहनों के बस फ्री करने का एलान किया था। लेकिन नारनौल में महिलाओं की भीड़ को देखते हुए रोडवेज ने बसों का प्रबंध नहीं किया हुआ था। एक-दो किसी भी बूथ को छोड़कर किसी भी बूथ पर बसे नहीं लगी हुई।

महेंद्रगढ़/नारनौल। हरियाणा सरकार ने मंगलवार से रक्षाबंधन पर 12:00 बजे से निशुल्क बस यात्रा की शुरुआत कर दी। निशुल्क बस यात्रा के शुरू होते ही यात्रियों को परेशानी का सामना करना पड़ा। यात्रियों को बसों की कमी खलती हुई नजर आई। नारनौल बस अड्डे पर 12:00 बजे से ही यात्रियों खासतौर पर महिलाओं की बहुत ज्यादा भीड़ थी। महिलाओं की भीड़ को देखते हुए रोडवेज ने बसों का प्रबंध नहीं किया हुआ था।

प्राइवेट बस इक्का-दुक्का नजर आई

एक-दो किसी भी बूथ को छोड़कर किसी भी बूथ पर बस नहीं लगी हुई। इसके अलावा प्राइवेट बस भी इक्का-दुक्का ही नजर आई। ऐसे में पूरा भार रोडवेज के ऊपर नजर आया। बस स्टैंड पर जो बसें लगी हुई थी, वह आते ही यात्रियों से पूरी भर रही थी। हालांकि रोडवेज प्रशासन ने दावा किया था कि सभी 127 बजे निर्धारित रुट पर चलाई जाएंगी लेकिन पहले भी नहीं रोडवेज के दावे फेल होते हुए नजर आए।

टिकट नंबर देते दिखाई दिए कर्मचारी

सरकार ने रक्षाबंधन को देखते हुए बसों में महिलाओं और बच्चों की यात्रा फ्री की हुई है। काउंटर पर बस परिचालक बस के सीट के नंबर काटते हुए नजर आए। इसके चलते दिल्ली, गुड़गांव, हिसार जाने वाले यात्रियों को लाइन में लगकर पुरुष यात्री टिकट और महिला यात्री सीट नंबर लेते हुए नज़र आये।

रोडवेज के साथ ही सहकारी समितियों की बसों में भी दी जा रही है निशुल्क यात्रा की सुविधा

रक्षाबंधन पर्व को लेकर बसों में निशुल्क यात्रा की शुरुआत होते ही बस अड्डे से रोडवेज की बसें ही गायब हो गई। विभिन्न रूटों पर जाने वाले यात्री बूथों पर खड़े होकर बसों का इंतजार करते रहे। जिससे यात्रियों को परेशानी का सामना करना पड़ा। हालांकि रोडवेज अधिकारियों का दावा है कि यात्रियों को बेहतर सुविधाएं देने का भरसक प्रयास किया जा रहा है। रोडवेज के साथ ही सहकारी समितियों की बसों को भी विभिन्न रूटों पर भेजा जा रहा है।

बस अड्डे पर यात्रियों की भारी भीड़ रही, लेकिन बसों की कमी के चलते यात्रियों को बस आने का लंबा इंतजार करना पड़ा। हालात यह रहे कि जिस भी रूट की बस आती, वह बूथ पर लगने से पहले ही भर जाती। बस के अंदर सीट लेने को लेकर झगड़े तक होते रहे। दोपहर 12.30 बजे दो-तीन बूथ को छोड़ दें तो किसी भी बूथ पर बस नहीं लगी थी। सहकारी समितियों की बसें भी नाममात्र ही थी। हालांकि अधिकारियों का कहना है कि सभी बसें यात्रियों को लेकर सुबह ही रवाना हो गई थी। जबकि निशुल्क यात्रा की सुविधा दोपहर 12 बजे से शुरू हुई थी।

लंबे रूटों की बसों को लोकल रूटों पर चलाया

रोडवेज अधिकारियों का दावा है कि बस डिपो में मौजूद 120 बसों को विभिन्न रूटों पर रवाना किया गया। जो बसें लंबे रूटों पर जाती थी, उन्हें भी दो दिन के लिए लोकल रूटों पर ही लगाया गया है, ताकि महिला यात्रियों को बेहतर परिवहन सुविधा दी जा सके। हालांकि दोपहर 12:30 बजे तक बस अड्डे पर यात्रियों की भीड़ रही। किसी यात्री ने कहा कि वह पौने घंटे से बस का इंतजार कर रहे हैं तो किसी ने कहा कि एक घंटे से अधिक समय से बस नहीं आई।

बूथों पर देते रहे सीट नंबर

सबसे अधिक भीड़ दिल्ली, पानीपत व रोहतक रूट पर नजर आई। दिल्ली रूट पर यात्री टिकट के लिए लाइन में लगे रहे। जिन्हें सीट नंबर दिया जा रहा था। बूथ पर बैठे कर्मचारी ने बताया कि यात्रियों के साथ ही महिलाओं को भी बस में सीट नंबर दिया जा रहा है। जिससे वह आरामदायक सफर कर सकें।

दिल्ली-मेरठ RapidX रेल कॉरिडोर पर सुरंग बनाने का काम पूरा, जल्द मिलेगा सफर करने का मौका

दिल्ली-मेरठ रैपिड रेल कॉरिडोर पर टनल का काम पूरा हो गया। आनंद विहार से साहिबाबाद तक दो किमी लंबी टनल को 18 महीने से कम समय में बना लिया गया। साहिबाबाद और दुहाई डिपो के बीच 17 किलोमीटर लंबे खंड पर जल्द ही रैपिड ट्रैन का संचालन किया जाएगा जबकि पूरे 82 किमी के रूट पर 2025 तक संचालन की शुरू करने की योजना है।

नई दिल्ली। सुफरफास्ट रैपिड ट्रेन के संचालन के लिए एनसीआरटीसी दिन रात एक किए हुए है। इस बीच दिल्ली-मेरठ रैपिड रेल कॉरिडोर पर टनल का काम पूरा हो गया। दिल्ली के आनंद विहार से गाजियाबाद के साहिबाबाद तक दो किमी लंबी टनल का काम मंगलवार को पूरा हो गया। एनसीआरटीसी के एमडी विनय कुमार सिंह ने बताया कि रिमोट दबाकर इस सफलता की शुरुआत की।

18 महीने से कम समय में बनी सुरंग

सुदर्शन 4.4 को आनंद विहार में निर्मित लॉन्चिंग शाफ्ट पर उतारा गया था, अब उसे वैशाली रीट्रीविंग शाफ्ट से बाहर निकाल लिया गया है। आनंद विहार से साहिबाबाद तक दो किमी लंबी टनल को 18 महीने से कम समय में बना लिया गया। रैपिड रेल के भूमिगत खंड की 12 किमी लंबी समानांतर सुरंग को बनाने के लिए सात अत्याधुनिक सुदर्शन टनल बोरिंग मशीनों (टीबीएम) का उपयोग किया गया है।

रैपिड रेल का शेष 70 किमी लंबा हिस्सा एलिवेटडेट है, जिसका लगभग 80 फीसदी काम पूरा हो चुका है।आरआरटीएस सुरंगों का व्यास 6.5 मीटर है जो व्यापक और उच्च रोलिंग स्टॉक के साथ 180 किमी प्रति घंटे की समान डिजाइन गति के लिए सुरंगों के वैश्विक बेंचमार्क की तुलना में अत्यधिक अनुकूलित है।

आने-जाने के लिए कुल चार सुरंग

दिल्ली में आनंद विहार रैपिडक्स स्टेशन से दोनों ओर आने-जाने के लिए कुल चार सुरंगों को बनाया गया है। लगभग तीन किमी लंबी दो सामानांतर सुरंगे आनंद विहार से न्यू अशोक नगर स्टेशन को जोड़ने के लिए बनाई गई हैं। वहीं दो किमी लंबी दो समानांतर सुरगों का आनंद विहार से साहिबाद को जोड़ने के लिए निर्माण किया गया है।

रैपिड ट्रेन के सफर का जल्द मिलेगा मौका

सुरंग बनाने की शुरुआत फरवरी 2022 में हुई थी। एनसीआरटीसी 2025 तक पूरे 82 किलोमीटर लंबे दिल्ली-गाजियाबाद-मेरठ को जनता के लिए खोलने का लक्ष्य बना रहा है। इससे पहले, यह शीघ्र ही साहिबाबाद और दुहाई डिपो के बीच 17 किलोमीटर लंबे प्राथमिकता वाले खंड का संचालन करेगा।

कैल्शियम की कमी से कम उम्र में ही घेर लेगी हड्डियों की बीमारी, कमी दूर करने के लिए महिलाएं जरूर खाएं ये 5 फूड

बढ़ती उम्र में हड्डियों से संबंधित कई समस्याएं घेरने लगती हैं. अक्सर महिलाएं अपने खानपान का ध्यान नहीं रखती हैं, जिससे उन्हें 30-40 की उम्र में ही बोन संबंधित प्रॉब्लम होने लगती हैं. ये परेशानी और अधिक ना बढ़े, इसके लिए जरूरी है कि आप अभी से ही कैल्शियम से भरपूर फूड्स का सेवन शुरू कर दें. यहां 5 कैल्शियम रिच फूड्स के बारे में बता रहे हैं, इन्हें आप जरूर खाएं.

उम्र बढ़ने के साथ शरीर के अंग धीरे-धीरे कमजोर होने लगते हैं. हड्डियों के साथ भी ऐसा ही है. यदि आप कम उम्र हेल्दी और पौष्टिक से भरपूर फूड्स का सेवन नहीं करेंगी तो आगे चलकर कई शारीरिक समस्याएं हो सकती हैं. सबसे ज्यादा लोगों को हड्डियों की समस्या परेशान करने लगती है. खासकर महिलाएं 30 से 40 की उम्र में ही शरीर में कैल्शियम और विटामिन डी की कमी के कारण परेशान रहती हैं. ऐसा इसलिए होता है, क्योंकि उनकी डाइट में कैल्शियम रिच फूड्स की कमी होती है. आप नहीं चाहती हैं कि बढ़ती उम्र में आपको गठिया, ऑस्टियोपोरोसिस, जोड़ों में दर्द, बोन फ्रैक्चर की समस्या हो तो आप यहां बताए गए कैल्शियम से भरपूर चीजों को डाइट में आज से ही शामिल करें.

कैल्शिमय की जरूरत शरीर को क्यों होती है?

हेल्थ डॉट कॉम में छपी एक खबर के अनुसार, कैल्शियम शरीर में सबसे प्रचुर मात्रा में पाया जाने वाला मिनरल है. ये एक ऐसा पोषक तत्व है, जो आपकी हड्डियों और दांतों को मजबूत बनाए रखने में मदद करता है. मांसपेशियों को शक्ति प्रदान करता है. नर्व और हार्मोन फंक्शन को सपोर्ट करता है. कैल्शियम को शरीर स्वाभाविक रूप से प्रोड्यूस नहीं करता है, इसलिए, हड्डियों को मजबूती देने और बेहतर हेल्थ के लिए डाइट में पर्याप्त मात्रा में कैल्शियम से भरपूर फूड्स को शामिल करना महत्वपूर्ण है. आपके शरीर में 99% से अधिक कैल्शियम हड्डियों और दांतों में पाया जाता है.

कितना हो एक दिन में कैल्शियम का इनटेक

अमेरिका के फूड एंड ड्रग एडमिनिस्ट्रेशन (2016 तक) के अनुसार, 4 से लेकर उससे अधिक उम्र वालों के लिए कैल्शियम का अनुशंसित डेली वैल्यू 1,300 मिलीग्राम निर्धारित किया है. हालांकि, कैल्शियम की जरूरत व्यक्ति की उम्र, लिंग पर आधारित होती है. फूड एंड न्यूट्रिशन बोर्ड के अनुसार कैल्शियम के लिए अनुशंसित डायटरी अलाउएंसेज (RDAs) अलग-अलग हैं. 14 से 18 वर्ष के टींस को 1300 एमजी डेली कैल्शियम इनटेक जरूरी है. वहीं 19 से 50 वर्ष के लोगों के लिए 1000 एमजी. 51 से 70 वर्ष के पुरुषों को 1 हजार एमजी तो इसी उम्र की महिलाओं को 1200 एमजी कैल्शियम का डेली इनटेक जरूरी है.

कम पानी पीने से सेहत को 7 बड़े नुकसान

कम पानी पीने से सेहत को 7 बड़े नुकसानआगे देखें...

कैल्शियम की पूर्ति के लिए महिलाएं खाएं ये फूड्स

खसखस- महिलाओं को कैल्शियम की पूर्ति के लिए दूध, दही के अलावा, खसखस को अपनी डाइट में जरूर शामिल करना चाहिए. खसखस आयरन, कैल्शियम, गुड फैट का बेहतरीन सोर्स है. हालांकि, इसकी तासीर गर्म होती है, इसलिए इसका सेवन आप सीमित मात्रा में ही करें. कैल्शियम रिच खसखस के नियमित सेवन से आप अपनी हड्डियों को बीमारियों से बचा सकती हैं.

दूध और डेयरी प्रोडक्ट्स- अक्सर महिलाएं घर के कामों में लगी रहती हैं और अपने खानपान पर ध्यान कम देती हैं. कुछ महिलाएं तो डेली दूध, दही का सेवन भी नहीं करती हैं. कैल्शियम की पूर्ति के लिए दूध और इससे बनी चीजें आप डेली खाएं. तभी बढ़ती उम्र में बोन रिलेटेड समस्याओं से बची रहेंगी. डेयरी प्रोडक्ट्स अन्य फूड्स की तुलना में कैल्शियम में सबसे अधिक भरपूर होते हैं. इसके लिए आप चीज की भी सेवन कर सकती हैं.

चिया सीड्स- ये बीज ओमेगा-3 फैटी एसिड, फाइबर और कैल्शियम से भरपूर होते हैं. इसे आप दही, स्मूदी, दूध या फिर पानी में डालकर भी पी सकती हैं. कैल्शियम का बेहतरीन सोर्स हैं चिया के बीज. प्रत्येक 100 ग्राम सर्विंग में लगभग 400 से लेकर 600 एमजी कैल्शियम की पूर्ति होगी.

हरी पत्तेदार सब्जियां- सब्जियां सेहत का खजाना होती हैं. खासकर, हरी पत्तेदार सब्जियों के सेवन से आपको भरपूर पोषण मिलेगा. इनमें विटामिन ए, सी, ई, के, आयरन, फाइबर के साथ ही कैल्शियम भी होता है. आप पालक, केल का सेवन जरूर करें. पत्तेदार सब्जियों के सेवन से महिलाओं के शरीर में आयरन की कमी भी नहीं होगी. पालक खाने से आपको कैल्शियम, आयरन के साथ ही विटामिन ए, सी भी मिलेगा. केल का सेवन आप सलाद या किसी भी ड्रिंक में ब्लेंड करके कर सकती हैं.

नट्स और सीड्स- कुछ नट्स में कैल्शियम काफी अधिक होता है. बादाम, तिल, अलसी के बीज खाएं. इनसे आपको कैल्शियम, एंटीऑक्सीडेंट्स, विटामिन के, कई तरह के मिनरल्स, फाइबर, ओमेगा-3 फैटी एसिड्स की प्राप्ति होगी. एंटीऑक्सीडेंट्स शरीर में फ्री रेडिकल्स के कारण कोशिकाओं को होने वाली नुकसान से बचाते हैं. कैल्शियम के लिए आप बादाम का सेवन भी कर सकती हैं।

ऐसे और इस दिन मनायें रक्षा-बंधन का त्योहार

पंचांग के अनुसार भाई बहन के प्रेम का प्रतीक रक्षाबंधन का त्योहार हर वर्ष श्रावण शुक्ल पक्ष की पूर्णिमा तिथि को मनाया जाता है और अबकी बार 30 अगस्त 2023 बुधवार को संपूर्ण दिन भद्रा काल रहेगा अतः भद्रा काल में रक्षाबंधन मनाना वर्जित है।

पूर्णिमा तिथि-:

30 अगस्त, बुधवार को सुबह 10:49 से शुरू होकर अगले दिन 31 अगस्त, गुरुवार को सुबह 7:06 पर समाप्त होगी।

भद्रा समय-:

30 अगस्त बुधवार के दिन जब पूर्णिमा तिथि प्रारंभ होगी उसके साथ ही भद्रा शुरू हो जाएगी जो रात्रि 9:02 तक रहेगी।

जो लोग 30 अगस्त को रक्षाबंधन मनाना चाहते हैं वो रात्रि 9:02 से रात्रि 9:35 तक राखी बांध सकते हैं।

कई ज्योतिष आचार्यों के अनुसार रक्षाबंधन 31अगस्त, गुरुवार को मनाना ज्यादा उचित रहेगा-:

सभी श्रेष्ठ पंचांग व पौराणिक परंपराओं व शास्त्रों के अनुसार हम इस नतीजे पर पहुंचे हैं कि रक्षाबंधन 31 अगस्त 2023, गुरुवार को ज्यादा उचित रहेगा।

31अगस्त गुरुवार को पूर्णिमा तिथि सुबह 7:06 तक रहेगी। उदया तिथि के अनुसार 31 अगस्त को पूरे दिन रक्षाबंधन मनाया जा सकता है।

वैसे भी परंपराओं के अनुसार काफी क्षेत्रों में रक्षाबंधन से नवमी तिथि तक राखियां बांधी जाती रही है।

31 अगस्त, गुरुवार को श्रेष्ठ दिन है, और किसी तरह का भद्रा जैसा अशुभ संयोग भी नहीं है।

शगुन कब माढ़ना चाहिए.?

शगुन चतुर्दशी तिथि में मांढे जाते हैं अतः 30 अगस्त, बुधवार के दिन प्रातः सूर्य उदय से सुबह 10:30 बजे के बीच शगुन मांढे जाएंगे।

शगुन जिमाना व पूजा का समय-:

31 अगस्त, गुरुवार प्रातः सूर्य उदय से सुबह 7:06 के मध्य।

31अगस्त, गुरुवार के दिन सुबह 7:06 बजे से पहले शगुन की पूजा करके व देवों को रक्षा सूत्र बांधकर रक्षाबंधन के पर्व की शुरुआत कर दें।

उसके उपरांत आप पूरे दिन रक्षाबंधन का त्यौहार बिना किसी विचार के खूब धूमधाम से मना सकते हैं।

रक्षाबंधन का समय-:
31 अगस्त 2023 गुरुवार

नीचे दिए गए सभी समय शुभ व श्रेष्ठ हैं अतः इस समय के दौरान आप रक्षाबंधन का त्यौहार मना सकते हैं-:

शुभ का चौघड़िया-:
05:58 से 7:34 तक

चर व लाभ के चौघड़िया-:
10:45 से 13:30 तक

अभिजीत मुहूर्त-:
12:00 बजे से 12:40 तक

शुभ चौघड़िया-:
17:10 से 18:30 तक।।

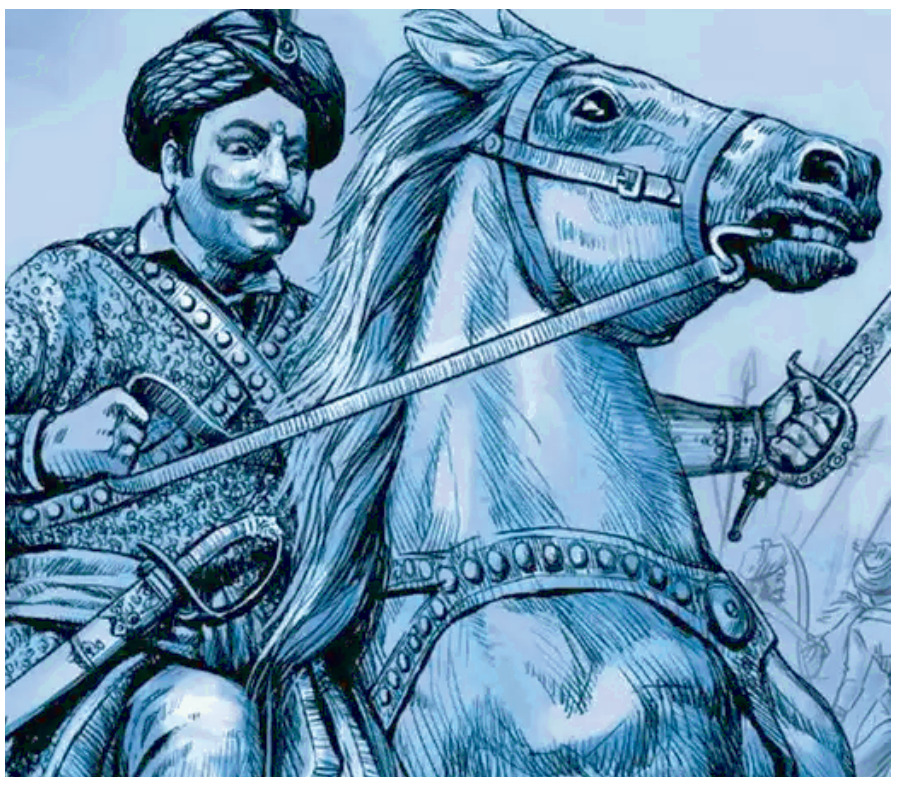

आखिर कौन थे सम्राट पृथ्वीराज चौहान ?

पुरा नाम :- पृथ्वीराज चौहान
अन्य नाम :- राय पिथौरा
माता/पिता :- राजा सोमेश्वर चौहान/कमलादेवी
पत्नी :- संयोगिता
जन्म :- 1149 ई.
राज्याभिषेक :- 1169 ई.
मृत्यु :- 1192 ई.
राजधानी :- दिल्ली, अजमेर
वंश :- चौहान (राजपूत)

आज की पिढी इनकी वीर गाथाओ के बारे मे..

बहुत कम जानती है..!!

तो आइए जानते है.. #सम्राट #पृथ्वीराज #चौहान से जुडा इतिहास एवं रोचक तथ्य,,,

"(1) प्रथ्वीराज चौहान ने 12 वर्ष कि उम्र मे बिना किसी हथियार के खुंखार जंगली शेर का जबड़ा फाड़ ड़ाला था ।

(2) पृथ्वीराज चौहान ने 16 वर्ष की आयु मे ही

महाबली नाहरराय को युद्ध मे हराकर माड़वकर पर विजय प्राप्त की थी।

(3) पृथ्वीराज चौहान ने तलवार के एक वार से जंगली हाथी का सिर धड़ से अलग कर दिया था ।

(4) महान सम्राट प्रथ्वीराज चौहान कि तलवार का वजन 84 किलो था, और उसे एक हाथ से चलाते थे ..सुनने पर विश्वास नहीं हुआ होगा किंतु यह सत्य है..

(5) सम्राट पृथ्वीराज चौहान पशु-पक्षियो के साथ बाते करने की कला जानते थे।

(6) महान सम्राट पुर्ण रूप से मर्द थे।

अर्थात उनकी छाती पर स्तंन नही थे ।

(8) प्रथ्वीराज चौहान 1166 ई. मे अजमेर की गद्दी पर बैठे और तीन वर्ष के बाद यानि 1169 मे दिल्ली के सिहासन पर बैठकर पुरे हिन्दुस्तान पर राज किया।

(9) सम्राट पृथ्वीराज चौहान की तेरह पत्निया थी।

इनमे संयोगिता सबसे प्रसिद्ध है..

(10) पृथ्वीराज चौहान ने महमुद गौरी को 16 बार युद्ध मे हराकर जीवन दान दिया था..

और 16 बार कुरान की कसम का खिलवाई थी ।

(11) गौरी ने 17 वी बार मे चौहान को धौके से बंदी बनाया और अपने देश ले जाकर चौहान की दोनो आँखे फोड दी थी ।

उसके बाद भी राजदरबार मे पृथ्वीराज चौहान ने अपना मस्तक नहीं झुकाया था।

(12) महमूद गौरी ने पृथ्वीराज चौहान को बंदी बनाकर अनेको प्रकार की पिड़ा दी थी और कई महिनो तक भुखा रखा था..

फिर भी सम्राट की मृत्यु न हुई थी ।

(13) सम्राट पृथ्वीराज चौहान की सबसे बड़ी विशेषता यह थी की...

जन्मसे शब्द भेदी बाण की कला ज्ञात थी।

जो की अयोध्या नरेश ₹राजा दशरथ₹ के बाद..

केवल उन्ही मे थी।

(14) पृथ्वीराज चौहान ने महमुद गौरी को उसी के भरे दरबार मे शब्द भेदी बाण से मारा था ।

गौरी को मारने के बाद भी वह दुश्मन के हाथो नहीं मरे..

अर्थात अपने मित्र चन्द्रबरदाई के हाथो मरे, दोनो ने एक दुसरे को कटार घोंप कर मार लिया.. क्योंकि और कोई विकल्प नहीं था ।

दुख होता है इतिहास की पुस्तकों में टीपुसुल्तान, बाबर, औरँगजेब, अकबर जैसे महिमामण्डन से भर दिया और पृथ्वीराज जैसे योद्धाओ को नई पीढ़ी को पढ़ने नही दिया बल्कि इतिहास छुपा दिया....

जय भवानी।जय राजपूताना।

सीबीआई ने प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के अधिकारी को 5 करोड़ रुपए रिश्वत लेने के मामले में गिरफ्तार

परिवहन विशेष न्यूज

नई दिल्ली : दिल्ली शराब नीति मामले के आरोपी अमनदीप सिंह ढल्ल से रिश्वत लेने के आरोप में प्रवर्तन निदेशालय के अधिकारी के खिलाफ जांच एजेंसी ने ही शिकायत दर्ज की थी।

प्राप्त जानकारी अनुसार सीबीआई ने उत्पाद शुल्क नीति घोटाला मामले में कार्रवाई से बचने के लिए शराब व्यवसायी अमनदीप ढल द्वारा 5 करोड़ रुपये की कथित रिश्वत लेने के मामले में ईडी के सहायक निदेशक पवन खत्री के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की है।

इन दोनों के अलावा, एजेंसी ने एयर इंडिया के सहायक महाप्रबंधक दीपक सांगवान, क्लेरिजेस होटल्स एंड रिसॉर्ट्स के सीईओ विक्रमादित्य, चार्टर्ड अकाउंटेंट प्रवीण कुमार वत्स और दो अन्य, ईडी में एक क्लर्क नितेश कोहर और ढल्ल के पिता बीरेंद्र पाल सिंह को भी प्राथमिकी में नामित किया है।

अधिकारियों ने बताया कि प्राथमिकी दर्ज होने के बाद सीबीआई ने आरोपियों के छह परिसरों की तलाशी ली है।

सूत्रों के मुताबिक, आरोपी ईडी अधिकारियों में से कोई भी उत्पाद घोटाला मामले की जांच का हिस्सा नहीं था, लेकिन तलाशी के दौरान उनके पास से मामले से संबंधित सामग्री बरामद की गई थी।

केंद्रीय जांच एजेंसी ने प्रवर्तन निदेशालय की एक शिकायत पर मामले को अपने हाथ में लिया, जिसमें आरोप लगाया गया था कि सिंह ने उत्पाद शुल्क नीति मामले में ढल की मदद करने के लिए दिसंबर 2022 से वत्स को 50 लाख रुपये की किश्तों में 5 करोड़ रुपये की रिश्वत दी थी।

सीबीआई ने आईपीसी की धारा 120बी (आपराधिक साजिश) और भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के प्रावधानों के तहत मामला दर्ज किया है।

अधिकारियों ने कहा कि कथित उत्पाद शुल्क घोटाले की जांच के दौरान, ईडी को मामले को प्रभावित करने के लिए एजेंसी के वरिष्ठ अधिकारियों के नाम पर बड़े पैमाने पर रिश्वत के आदान-प्रदान की जानकारी मिली।

उन्होंने बताया कि जानकारी के आधार पर, एजेंसी ने 4 जुलाई को आरोपियों के परिसरों पर तलाशी ली थी और संदिग्धों से पूछताछ की थी, जिसमें प्रथम दृष्टया आरोपियों द्वारा रिश्वतखोरी और भ्रष्टाचार का सुझाव दिया गया था।

अधिकारियों ने कहा कि ईडी की तलाशी में वत्स के परिसर से 2.19 करोड़ रुपये नकद (कुल 5 करोड़ रुपये में से) और सांगवान के परिसर से घोटाला मामले में 6 जनवरी को दायर पूरक शिकायत के 99 पेज भी बरामद हुए।.

सीबीआई की प्राथमिकी में आरोप लगाया गया है कि एजेंसी को अपने सहायक निदेशक खत्री के परिसर से घोटाला मामले से संबंधित दस्तावेज भी मिले, जिससे संकेत मिलता है कि वह मामले में अनुचित रुचि ले रहे थे।

ईडी ने अपनी प्रारंभिक जांच में पाया कि रिश्वत का मामला तब शुरू हुआ जब अमनदीप ढल ने एंटी-मनी लॉन्ड्रिंग एजेंसी द्वारा जांच किए गए उत्पाद शुल्क घोटाला मामले में मदद मांगने के लिए एक अधिकारी से संपर्क किया था।

सांगवान ने कथित तौर पर आरोपियों की सूची से ढल्ल का नाम हटाने के लिए 2 करोड़ रुपये की मांग की थी, लेकिन शराब व्यवसायी को 1 मार्च को गिरफ्तार कर लिया गया था।

अधिकारियों के मुताबिक, सांगवान ने गिरफ्तारी के दो दिन बाद वत्स से मुलाकात की और कहा कि कार्रवाई का आदेश उच्च अधिकारियों ने दिया था, जहां उनका कोई प्रभाव नहीं है।

जून में, सांगवान को कथित तौर पर पता चला कि वत्स ने प्रवर्तन निदेशालय से मदद पाने के लिए ढल्ल के पिता सिंह से बड़ी मात्रा में धन की उगाही की थी और चार्टर्ड अकाउंटेंट को एक बैठक के लिए बुलाया था।

लुटियंस दिल्ली में इन्होंने मचा रखा है 'आतंक', सम्मेलन में विदेशी मेहमानों को कर सकते हैं परेशान

परिवहन विशेष न्यूज

राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में 9 और 10 सितंबर को जी-20 शिखर सम्मेलन का आयोजन होना है। दिल्ली का सबसे ज्यादा संवेदनशील इलाका लुटियंस हो गया है क्योंकि इसी इलाके में जी-20 के कार्यक्रम उनके रुकने का स्थान है। लेकिन इन इलाकों में बड़ी संख्या में मौजूद बंदरों ने समस्या पैदा कर रखी है। एनडीएमसी (नई दिल्ली पालिका परिषद) ने इस समस्या का हल भी निकाल लिया है।

नई दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में 9 और 10 सितंबर को जी-20 शिखर सम्मेलन का आयोजन होना है। दिल्ली का सबसे ज्यादा संवेदनशील इलाका लुटियंस हो गया है, क्योंकि इसी इलाके में जी-20 के कार्यक्रम, उनके रुकने का स्थान है। लेकिन इन इलाकों में बड़ी संख्या में मौजूद बंदरों ने समस्या पैदा कर रखी है। एनडीएमसी (नई दिल्ली पालिका परिषद) ने इस समस्या का हल भी निकाल लिया है।

दिल्ली में लगभग 26 राष्ट्राध्यक्ष और 14 अंतर्राष्ट्रीय संस्थानों के प्रतिनिधिमंडल पहुंचेंगे। विदेशी मेहमानों का आगमन 7 सितंबर से शुरू हो जाएगा। सम्मेलन के दौरान बंदरों को डराने के लिए लुटियंस दिल्ली में लंगूर की नकल करने वालों को तैनात किया जाएगा।

बंदरों को भगाने के लिए की ये व्यवस्था

एनडीएमसी के उपाध्यक्ष सतीश उपाध्याय ने कहा कि नगर निकाय 30-40 प्रशिक्षित व्यक्तियों को तैनात करेगा, जो बंदरों को डराने के लिए लंगूर की आवाज की नकल कर सकें।

एक सरकारी अधिकारी ने बताया कि शिखर सम्मेलन के मुख्य स्थल, होटल (जहां विदेशी मेहमान ठहरेंगे), सहित सभी महत्वपूर्ण स्थलों को कवर किया जा रहा है। ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि कार्यक्रम के दौरान यहां बंदर न जुटें।

बंदरों की लगातार बढ़ रही है आबादी

बंदरों की अनियंत्रित आबादी के कारण शहर भर में उनकी संख्या लगातार बढ़ रही है, जिसमें नई दिल्ली के इलाके (लुटियंस दिल्ली) भी शामिल हैं। यहां बंदर इधर-उधर घूमते रहते हैं और अक्सर लोगों पर हमला कर देते हैं।

इसी को देखते हुए नई दिल्ली नगरपालिका परिषद (एनडीएमसी) और दिल्ली सरकार के वन विभाग ने यह सुनिश्चित करने के लिए कदम उठाए हैं कि 9-10 सितंबर तक होने वाले महत्वपूर्ण जी20 शिखर सम्मेलन के दौरान बंदर उत्पात न मचाएं।

बंदरों ने पौधों और फूलों को पहुंचाया नुकसान

अधिकारी ने बताया कि अन्य बंदरों ने उन पौधों और फूलों को नुकसान पहुंचाया है, जो विभिन्न एजेंसियों द्वारा जी20 शिखर सम्मेलन के लिए बागवानी भूदृश्य का हिस्सा थे। अधिकारियों ने कहा कि नई दिल्ली को आईजीआई हवाई अड्डे से जोड़ने वाले सरदार पटेल मार्ग को मूर्तियों, फव्वारों, स्ट्रीट फर्नीचर और बहुत सारी हरियाली और फूलों के पौधों की स्थापना के साथ नया रूप दिया गया है क्योंकि शिखर सम्मेलन के लिए सभी प्रतिनिधि और गणमान्य व्यक्ति सड़क से गुजरेंगे।

बंदरों के लिए की जाएगी भोजन की व्यवस्था

उन्होंने कहा कि रिज पर चिह्नित स्थानों पर फल और सब्जियां जैसी खाने की चीजें उपलब्ध कराने की भी व्यवस्था की जा रही है, ताकि बंदर भोजन की तलाश में मानव बस्तियों में न आएं।

सर्वजातीय हिंदू महापंचायत के आह्वान पर पांडव कालीन प्राचीन शिव मंदिर में जलाभिषेक

स्वतंत्र सिंह भुल्लर

नई दिल्ली। सर्वजातीय हिंदू महापंचायत के आह्वान पर, पूज्य संतों के मार्गदर्शन में, विश्व हिंदू परिषद के साथ आज संपूर्ण मेवात क्षेत्र के हिंदू समाज ने सामूहिक रूप से संगठित होकर न सिर्फ पांडव कालीन प्राचीन मंदिरों में जलाभिषेक किया अपितु, हर्षोल्लास पूर्वक अपनी यात्रा अधूरी जलाभिषेक यात्रा भी पूर्ण की। नूंह के नल्हड़ महादेव मंदिर में सबसे पहले पूज्य संतों के मार्गदर्शन में महापंचायत के प्रमुख श्री अरुण जैलदार व विश्व हिंदू परिषद के केंद्रीय कार्याध्यक्ष व वरिष्ठ अधिवक्ता श्री आलोक कुमार ने भगवान भोले शंकर का आह्वान कर जलाभिषेक किया और संपूर्ण हिंदू समाज के मंगल की कामना की। उन्होंने इस अवसर पर कहा कि हिंदू समाज विजयी है और विजयी ही रहेगा। हमने यह यात्रा विश्व शांति, विश्व कल्याण व विश्व बंधुत्व के लिए पूर्ण की है। हमें संतोष है कि इसके सामने बाधाएं खड़ी करने वाले सफल नहीं हुए। इस वर्ष जी 20 की बाध्यताएं थीं, अगले वर्ष हम इस यात्रा को व्यापक पैमाने पर पुनः करेंगे।मेवात की 52 पाल के प्रधान अरुण जैलदार ने सभी पूज्य संतों व आगंतुकों का अभिनंदन कर जलाभिषेक प्रारंभ किया और मेवात सहित संपूर्ण विश्व के हिंदुओं के मंगल की कामना की।जलाभिषेक का मार्गदर्शन वरिष्ठ और पूज्य संतों ने किया जिनमें महामंडलेश्वर पूज्य स्वामी धर्मदेव महाराज, पूज्य नारायण गिरी जी महाराज, पूज्य नरेंद्र गिरी जी महाराज, पूज्य जितेंद्रानंद जी महाराज और पूज्य नवल किशोर दास जी महाराज के अतिरिक्त अनेक संत बृंद उपस्थित थे।हरियाणा के अन्य 27 जिलों के 63 मंदिरों में जुटे हजारों श्रद्धालुओं ने भगवान भोले का अभिषेक किया।मेवात की यात्रा में सामिल अन्य प्रमुख लोगों में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सह प्रांत संघ चालक प्रताप जी, प्रांत प्रचारक विजय जी व विश्व हिंदू परिषद के प्रांत अध्यक्ष रिटायर्ड जस्टिस पवन कुमार जी सहित मेवात क्षेत्र के अनेक पंचायतों के प्रधान व गणमान्य लोग उपस्थित थे। शांतिपूर्ण, सौहार्द और उल्लास के साथ निकाली गई यह यात्रा सायं 4:00 बजे क्षीरेश्वर महादेव मंदिर होते हुए सिंगार गांव के श्रृंगार मंदिर में पूर्ण हुई।

खुद की गाड़ियों के काफिले से चलेंगे अमेरिका समेत इन तीन देशों के राष्ट्राध्यक्ष, लाएंगे अपनी कारें

आठ सितंबर से शुरू होने वाले जी-20 शिखर सम्मेलन की सुरक्षा तैयारी ज़ोरों पर चल रही हैं। सम्मेलन में शामिल होने आने वाले राष्ट्राध्यक्ष और अंतरराष्ट्रीय संगठनों के पदाधिकारी दिल्ली में जिन वाहनों से सफर करेंगे उनका दिल्ली पुलिस की सुरक्षा यूनिट ने बंदोबस्त कर लिया है। 24 बुलेटप्रूफ ऑउडी और मर्सिडीज कारों को विदेश मंत्रालय ने जर्मनी से किराए पर मंगवाकर सुरक्षा यूनिट को सौंप दिया है।

नई दिल्ली। आठ सितंबर से शुरू होने वाले जी-20 शिखर सम्मेलन की सुरक्षा तैयारी जोरों पर चल रही हैं। सम्मेलन में शामिल होने आने वाले राष्ट्राध्यक्ष और अंतरराष्ट्रीय संगठनों के पदाधिकारी दिल्ली में जिन वाहनों से सफर करेंगे, उनका दिल्ली पुलिस की सुरक्षा यूनिट ने बंदोबस्त कर लिया है। 24 बुलेटप्रूफ ऑउडी और मर्सिडीज कारों को विदेश मंत्रालय ने जर्मनी से किराए पर मंगवाकर सुरक्षा यूनिट को सौंप दिया है। सोमवार को विदेश मंत्रालय से सुरक्षा यूनिट को जानकारी दी गई कि अमेरिका, सऊदी अरब और तुर्कीये की सुरक्षा एजेंसियां खुद अपनी गाड़ी दिल्ली लाएंगी। इन तीन देशों से कितनी-कितनी गाड़ियां दिल्ली लाई जाएंगी, इस संबंध में अबतक जानकारी नहीं दी गई है। एक और देश की सुरक्षा एजेंसी द्वारा अपनी गाड़ी लाने की संभावना जताई जा रही है।

बाई ओर स्टीयरिंग वाले वाहन भी होंगे

दिल्ली यातायात पुलिस के विशेष आयुक्त एसएस यादव का कहना है कि जो देश अपनी गाड़ी दिल्ली लाएंगे, वे भी सुरक्षा यूनिट के कारकेड के साथ ही चलेंगे। उन वाहनों की स्टीयरिंग बाईं ओर होने से भी इससे कोई समस्या नहीं आएगी। दिल्ली पुलिस की सुरक्षा घेरे को फॉलो करते हुए ही वे गाड़ियां चलेंगी।

दिल्ली में लगभग 26 राष्ट्राध्यक्ष और 14 अंतर्राष्ट्रीय संस्थानों के प्रतिनिधिमंडल पहुंचेंगे। विदेशी मेहमानों का आगमन 7 सितंबर से शुरू हो जाएगा।

हर दिन की जा रही रिहर्सल

सुरक्षा में जरा भी चूक न हो, इसके लिए हर दिन से दिल्ली पुलिस की सुरक्षा यूनिट रोज विदेश मंत्रालय के दिशानिर्देश में केंद्रीय सुरक्षा एजेंसियों के साथ मिलकर सुरक्षा अभ्यास (रिहर्सल) कर रही है। हर दिन तड़के चार बजे से सुबह 11 बजे तक सुरक्षा अभ्यास किया जा रहा है।

छह सितंबर तक चलेगा यह सिलसिला

दिल्ली पुलिस के इतिहास में यह पहला मौका है, जब लगभग एक वर्ष से जी-20 शिखर सम्मेलन की सुरक्षा में ड्यूटी में तैनाम होने वाले आला अधिकारियों से लेकर सिपाहियों को विभिन्न तरह के प्रशिक्षण देने के बाद अब उन्होंने सुरक्षा अभ्यास कराना शुरू किया गया है। यह सिलसिला छह सितंबर तक चलेगा। सम्मेलन में यातायातकर्मियों की भी बड़ी भूमिका होगी। इसके लिए उन्हें भी कई स्तर पर प्रशिक्षण दिए गए। 10 हजार से अधिक यातायातकर्मी सम्मेलन के दौरान यातायात प्रबंधन का जिम्मा संभालेंगे। मुख्यालय सूत्रों के मुताबिक दिल्ली यातायात पुलिस की संख्या लगभग 5,500 है जिनमें सभी रैंक के अधिकारी व कर्मचारी शामिल हैं।

दिल्ली पुलिस के कर्मी रखेंगे सुरक्षा कड़ी

दिल्ली पुलिस ने बताया कि प्रगति मैदान स्टेडियम के अंदर, बाहर व होटलों के अंदर ड्यूटी करने वाले दिल्ली पुलिस की सुरक्षा यूनिट के सभी अधिकारी व पुलिसकर्मी ग्रे रंग के सफारी सूट तो पहनेंगे ही, साथ ही सम्मेलन के दौरान इस यूनिट के लिए ड्यूटी करने वाले अन्य कर्मी भी ग्रे रंग का सफारी सूट में नजर आएंगे। बड़ी संख्या में जिले व अन्य यूनिटों के कर्मियों को कुछ समय के लिए अस्थायी तौर पर सुरक्षा यूनिट में तैनाती की गई है। प्रगति मैदान परिसर के बाहर, सड़कों व होटलों के बाहर ड्यूटी करने वाले पुलिसकर्मी खाकी वर्दी में ही नजर आएंगे। सम्मेलन का समय बहुत नजदीक आ गया है, ऐसे में हजारों की संख्या में पुलिसकर्मियों के कपड़े कहां व कैसे सिलाए जाएंगे, इसको लेकर काफी दिक्कत आ सकती है। अब तक पुलिसकर्मी मुख्यालय से कपड़े ही प्राप्त कर रहे हैं।

अध्यक्ष वत्स का आरोप है कि डीडीए ग्राम सभा की तमाम जमीन का फ्री में मालिक बन बैठा है।

डीडीए सताए तो दिल्ली के 360 गांव वाले कहां जाए डीडीए-बडा भू-माफिया, सरकारी प्रोपर्टी डीलर-वत्स

परिवहन विशेष। एसडी सेठी।

दिल्ली आदर्श ग्रामीण समाज के अध्यक्ष दयानंद वत्स, बरवाला ने प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी और राष्ट्रपति द्रोपदी मुर्मू को पत्र लिखकर दिल्ली के 360 गांवों के मूल ग्रामीणों को बचाने की गुहार लगाई है। गांव वालो का दर्द है कि दिल्ली विकास प्राधिकरण (डीडीए) ने उनकी कृषि भूमि का अधिग्रहण औने-पौने दामों पर कर लिया और उसी जमीन को डीडीए ने आगे करोडों अरबों रूपये में बेच दिया है। लेकिन किसानों को इसका उचित मुआवजा देने की तो बात दूर उल्टे वैकल्पिक प्लाट तक देने की जहमत तक नहीं उठाई। दयानंद वत्स के मुताबिक डीडीए किसानों को टका सा जवाब देकर टरकाने की जुगत में है। दिल्ली विकास प्राधिकरण (डीडीए) का कहना है कि वैकल्पिक प्लाटों के लिए उनके पास जमीन ही नहीं है। डीडीए के इस जवाब से गुस्साए ग्रामीणों की मांग है कि अगर भूमि नहीं तो डीडीए भू-स्वामी को मिलने वाले प्लाट के साइज के हिसाब से वर्तमान की कीमत के हिसाब से 32 मीटर के 50 लाख रूपये, 60 मीटर के 1 करोड रूपये, 90 मीटर के 1.50 करोड, और 120 मीटर प्लाट के लिए 2.00 करोड रूपये तत्काल प्रभाव से डीडीए द्वारा भुगतान किया जाए। दूसरे ग्राम सभा की जिस भूमि का मालिक डीडीए बन गया है, उसे गांववासियों की सहमति से ग्राम विकास योजना में इस्तेमाल किया जाए। वहीं गांवों की 36बिरादरी के गरीब, कुशल, खेतिहर मजदूरों के लिए पुनर्वास योजना लॉन्च की जाए। अध्यक्ष वत्स का आरोप है कि डीडीए ग्राम सभा की तमाम जमीन का फ्री में मालिक बन बैठा है। इस ग्राम सभा भूमि का अरबों रूपया सरकारी खाते में जमा है। लेकिन गांव के विकास के लिए कौडी तक मयस्सर नहीं है। दिल्ली ग्रामीण समाज के अध्यक्ष का आरोप है कि डीडीए ने आज तक किसी भी गांव का विलेज डेवलपमेंट प्लान तक नहीं बनाया है। अध्यक्ष का कहना है कि किसानों की अधिग्रहीत भूमि पर बने पब्लिक स्कूल, कॉलेज, विश्वविद्यालयों, अस्पतालों, डीटीसी बस डिपोओ, में गांव के बेरोजगार युवाओ को रोजगार तक नहीं दिया गया। ये ही नहीं इन जमीनों पर बने पब्लिक स्कूलों, कॉलेजों, विश्वविद्यालयों में ग्रामीण बच्चों को आरक्षण तक नहीं दिया जाता है। इसके अलावा गांव वालों की मांग है कि सीनियर सिटीजन, बुजुर्ग ग्रामीणों को इलाज के लिए कम-से-कम प्रधानमंत्री आयुष्मान हैल्थ कार्ड की सुविधाएं तो दी जाए। ग्रामीणों ने दिल्ली को कृषि का दर्जा बहाल करने की भी मांग की है। ग्रामीणों के मुताबिक अभी भी हजारों एकड जमीन में किसान दिल्ली के गांवों में खेती कर रहे हैं। उन्होंने दिल्ली की सरकारी नौकरियों में दिल्ली ग्रामीणों के युवाओ को 75 फीसदी नौकरी देने का प्रावधान निश्चित करने की वकालत की है। अध्यक्ष का आरोप है कि दिल्ली में किसानों

से छीन कर अधिकृत जमीन पर अनाधिकृत कब्जा करने वालों के अवैध कब्जे हटाने की बजाए, और उनके खिलाफ कानूनी कार्रवाई करने बजाए उन्हें तो जहां झुग्गी वहां मकान देकर इनाम दिया जा रहा है। तो वहीं 36बिरादरी के गरीब गांव वालों को भी आवासीय योजना काम धंधे के लिए दुकानों का लाभ नहीं है। दूसरी ओर गांवों में आज तक लोगों को उनकी सम्पत्ति का मालिकाना हक तक नहीं दिया गया है। पुश्तैनी जायदाद में घर के मुखिया की मौत के बाद दाखिल खारिज, म्यूटेशन नहीं किया जाता है। उस पर भी रोक लगी है। अध्यक्ष ने बताया कि आजादी के 77 साल के बाद भी दिल्ली के सभी गांवों को लाल डोरे से मुक्ति नहीं मिली है। उल्टे मेरी बिल्ली मुझे ही मियाउं की तर्ज पर गांव वालों के सिर पर ही प्रोपर्टी टैक्स की तलवार लटका रखी है। और वो भी तब कि बिना बुनियादी सुविधाएं दिए टैक्स वसूली की जा रही है। इसके अलावा गांव के अस्पतालों में बुनियादी सुविधाएं तक नदारद है, रिठाला टू नरेला मैट्रोलाइन 23 साल बाद भी मैट्रो कनेक्टिविटी से गांव वालों को महरूम किया हुआ है। उत्तर पश्चिम दिल्ली के गांवों से सुदूर गांव वालों को 40 किलोमीटर दूर के अस्पतलों में रेफर या इलाज के लिए जाना पडता है। लैब नहीं है। वहीं 24 घंटे की जच्चा बच्चा की कोई सुविधा नहीं है। ऑपरेशन थिएटर नहीं है। एक्सीडेंटल केस रेफर कर दिए जाते हैं। मीलों दूर ले जाते वक्त अक्सर मरीज की मौत हो जाती है। गांव वालों का आरोप है कि डीडीए ने साल 2015 में बरवाला गांव की जो जमीन 25 लाख रूपये एकड अनुमानित 4800 वर्ग गज अधिकृत की थी। उस जमीन पर रोहिणी सेक्टर 34,35,36,37 बना दिए। आज इन्ही सेक्टर में 60 मीटर के प्लाट की कीमत डेढ करोड रूपये है। वहीं दूसरी और गांवों की फिरनी रोड, सडके, श्मशान घाटों पर शैड तक नहीं हैं। गांव की गलियां आज तक कच्ची हैं। अध्यक्ष दयानंद वत्स का आरोप है कि कंझावला में अधिकृत 950 एकड जमीन पर (डीएसएसआई डीसी) औद्योगिक क्षेत्र बनाने जा रहा है।जबकि यहां पर इसकी जरूरत ही नहीं है। जबकि सरकार ने यहां एजूकेशन हब बनाने की बात कही थी। जिसमें स्कूल, कॉलेज, स्टेडियम यूनिवर्सिटीज खोले जाने थे। करेला ऊपर से नीम चडा की तर्ज पर इसी तरह बवाना के साथ गांव सन्नौठ की सैंकड़ो एकड भूमि पर शहर से कूडा लाकर डंम्पिंग ग्राउंड बना दिया है। गांव वाले मारे बदबू के रहने को मजबूर हैं। गांव का पूरा पर्यावरण बिगाड दिया है। किसान अपने को लुटते देखकर भी बेबस है। 360 ग्रामीण समाज प्रधान दयानंद वत्स का आरोप है कि डीडीए सबसे बडा भू-माफिया, और सबसे बडा सरकारी प्रापर्टी डीलर बन गया है।

सलाखों के पीछे भी बने रहते हैं एक कैंदी के बुनियादी संवैधानिक अधिकार: दिल्ली HC

तिहाड़ जेल में पीने के पानी और स्वच्छता की स्थिति का मूल्यांकन करने के लिए हाईकोर्ट ने चार सदस्यीय समिति का गठन करते हुए कहा एक कैदी के बुनियादी संवैधानिक अधिकार सलाखों के पीछे भी बने रहते हैं। पीठ ने अधिवक्ता डॉ. अमित जॉर्ज अधिवक्ता संतोष कुमार त्रिपाठी नंदिता राव और तुषार सन्नू को शामिल करते हुए निर्देश दिया कि समिति जेल के अंदर वर्तमान स्थितियों का निष्पक्ष मूल्यांकन करेगी।

नई दिल्ली। तिहाड़ जेल में पीने के पानी और स्वच्छता की स्थिति का मूल्यांकन करने के लिए दिल्ली हाईकोर्ट ने चार सदस्यीय समिति का गठन करते हुए कहा कि एक कैदी के बुनियादी संवैधानिक अधिकार सलाखों के पीछे भी बने रहते हैं। मुख्य न्यायाधीश सतीश चंद्र शर्मा और न्यायमूर्ति संजीव नरूला की पीठ ने अधिवक्ता डॉ. अमित जॉर्ज, अधिवक्ता संतोष कुमार त्रिपाठी, नंदिता राव और तुषार सन्नू को शामिल करते हुए निर्देश दिया कि समिति जेल के अंदर वर्तमान स्थितियों का निष्पक्ष मूल्यांकन करेगी। साथ ही परिसर के भीतर पीने के पानी, समग्र स्वच्छता और शौचालय के रखरखाव की स्थिति पर अदालत को अद्यतन जानकारी उपलब्ध कराएगी।

तिहाड़ जेल के महानिदेशक को दिया ये निर्देश

साथ ही तिहाड़ जेल के महानिदेशक (जेल) को इस प्रक्रिया में समिति का सहयोग करने और सभी आवश्यक सहायता प्रदान करके का निर्देश दिया, ताकि समिति अपना काम कर सके। अदालत ने उक्त आदेश कानूनी सेवा समिति द्वारा दायर एक जनहित याचिका पर सुनवाई करते हुए दिया।

उठाए गए थे ये सवाल

इसमें स्वच्छ पेयजल की आपूर्ति के साथ-साथ जेल परिसर के भीतर स्वच्छता की स्थिति बनाए रखने के मुद्दे को लेकर सवाल उठाया गया था। समिति की रिपोर्ट पर गौर करने के बाद अदालत ने कहा कि कैदियों को पीने का पानी पर्याप्त रूप से नहीं उपलब्ध कराया जा रहा है।

स्वच्छता की स्थिति रही संतोषजनक

इसके अलावा जेल परिसर के अंदर स्वच्छता की स्थिति संतोषजनक नहीं है। अदालत ने मामले में समिति के साथ दिल्ली सरकार को मामले में विस्तृत रिपोर्ट पेश करने का आदेश देते हुए मामले में आगे की सुनवाई 18 सितंबर तक के लिए स्थगित कर दी।

मोदी नेतृत्व में विकसित देशों की सूची में जल्द शामिल होगा भारत, सांसद रोजगार मेले में बोले पीयूष गोयल

परिवहन विशेष न्यूज

केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत जल्द ही विकसित देशों की सूची में शामिल होगा। इस दौरान उन्होंने यूपीए की सरकार पर हमला बोला है। पीयूष गोयल ने कहा कि सोनिया गांधी के नेतृत्व वाली यूपीए सरकार में भ्रष्टाचार को बढ़ावा मिला और सरकारी नौकरियों में सामान्य युवाओं के साथ भेदभाव किया गया।

गाजियाबाद। केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत जल्द ही विकसित देशों की सूची में शामिल होगा। भ्रष्टाचार और परिवारवाद से देश को मुक्ति मिली है और उद्योग तेजी के साथ बढ़ रहे हैं। उन्होंने कहा भारत में जी-20 का आयोजन बड़ी उपलब्धि है।

यूपीए सरकार में भ्रष्टाचार को मिला बढ़ावा

वह मेरठ रोड स्थित एचआरआईटी कॉलेज परिसर में सांसद रोजगार मेले में युवाओं को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि सोनिया गांधी के नेतृत्व वाली यूपीए सरकार में भ्रष्टाचार को बढ़ावा मिला और सरकारी नौकरियों में सामान्य युवाओं के साथ भेदभाव किया गया। पुरानी व्यस्थाओं को ध्वस्त करते हुए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की टीम ने संवेदनशीलता के साथ व्यवस्था में सुधार किया।

देश भर में सांसद रोजगार मेले के माध्यम से युवाओं को निजी क्षेत्र की कंपनियों के द्वारा रोजगार से जोड़ा जा रहा है। उन्होंने राज्यसभा सदस्य डॉ. अनिल अग्रवाल की पहल को युवाओं के लिए कारगर बताया। उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने कहा 2014 से पहले किसी सरकार ने सोचा भी नहीं था, वह मोदी सरकार ने कर दिखाया है। रोजगार अब आपके द्वार तक पहुंच रहा है। उन्होंने युवाओं का भविष्य मोदी सरकार में बताया।

चंद्रयान-3 की सफलता में इसरो के वैज्ञानिकों के साथ ही इसका श्रेय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को जाता है। लोकसभा चुनाव में यूपी की सभी 80 सीट भाजपा के खाते में जाएंगी। इस मौके पर राज्यसभा सदस्य डा. अनिल अग्रवाल, विधायक अतुल गर्ग, अजीतपाल त्यागी, सुनील शर्मा, क्षेत्रीय अध्यक्ष सतेंद्र शिशोदिया, जिलाध्यक्ष दिनेश सिंघल, महानगर अध्यक्ष संजीव शर्मा, संजीव गुप्ता, देवेंद्र हितकारी, सौरभ जायसवाल आदि मौजूद रहे।

पांच हजार से अधिक हुए पंजीकरण

सांसद रोजगार मेले में अलग-अलग क्षेत्र की 200 से अधिक कंपनियों ने प्रतिभाग किया। नौकरी पाने के लिए पांच हजार से अधिक युवाओं ने पंजीकरण कराया। इस दौरान केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल और उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने मंच पर200 युवाओं को नियुक्ति पत्र प्रदान किए।

कुबेर समूह के निदेशक का हुआ ऑपरेशन, 2-3 दिन बाद विकास मालू को अस्पताल से मिलेगी छुट्टी

नूंह के नगीना इलाके में सड़क हादसे में घायल कुबेर समूह के निदेशक विकास मालू के हाथ का सोमवार दोपहर ऑपरेशन हो गया। दिल्ली-मुंबई एक्सप्रसे-वे पर नगीना के नजदीक की रोल्स रायस (फैंटम माडल) कार यू-टर्न ले रहे टैंकर से टकरा गई थी। इससे कार में आग लग गई थी। हादसे में जहां टैंकर चालक व सह-चालक की मौत हो गई थी।

गुरुग्राम। दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेस-वे पर नूंह के नगीना इलाके में सड़क हादसे में घायल कुबेर समूह के निदेशक विकास मालू के हाथ का सोमवार दोपहर ऑपरेशन हो गया। उनका मेदांता अस्पताल में इलाज चल रहा है।

टैंकर से टकरा गई थी रोल्स रायस कार

सबकुछ ठीकठाक रहा तो उन्हें दो-तीन दिन बाद अस्पताल से छुट्टी मिल जाएगी। देश के जाने माने उद्यमी विकास मालू 22 अगस्त को जयपुर अपने बेटे का जन्मदिन मनाने जा रहे थे। दिल्ली-मुंबई एक्सप्रसे-वे पर नगीना के नजदीक की रोल्स रायस (फैंटम माडल) कार यू-टर्न ले रहे टैंकर से टकरा गई थी।

टैंकर चालक व सह-चालक की हुई थी मौत

इससे कार में आग लग गई थी। हादसे में जहां टैंकर चालक व सह-चालक की मौत हो गई थी। वहीं विकास मालू को भी गंभीर चोट लगी थी। उनके चालक व पीएसओ को हल्की चोट लगी थी। विकास मालू के दाहिने हाथ में फ्रैक्चर था।

दो-तीन दिन में अस्पताल में मिल जाएगी छुट्टी

इसके लिए आपरेशन करना आवश्यक था। सोमवार दोपहर ऑपरेशन कर दिया गया। बताया जाता है कि ठीक होने में दो से तीन लगेंगे। इसके बाद उन्हें छुट्टी दे दी जाएगी। इधर, अस्पताल में देश भर से उनके जानकारों का आने का सिलसिला जारी है। सभी अस्पताल की लाबी में ही रखी एक डायरी में अपनी भावना व्यक्त करके जा रहे हैं। बता दें कि विकास मालू के काफिले में रोल्स रायस के अलावा लैंड रोवर, फार्च्यूनर, मर्सिडीज, क्रेटा, फोर्ड एंडेवर सहित लगभग 20 लग्जरी कारें शामिल थीं। इनमें से रोल्स रायस और एक लैंड रोवर 25 अंतराल के अंतराल पर जल गई। लैंड रोवर में सोहना रोड पर आग लग गई थी।

गुरुग्राम के तीन शिक्षकों को मिलेगा राज्य शिक्षक अवार्ड, इन खूबियों ने दिलाया पुरस्कार

हरियाणा ने राज्य शिक्षक अवार्ड की घोषणा कर दी है। इसमें गुरुग्राम के तीन शिक्षकों का चयन किया गया है। शिक्षकों को शिक्षा के क्षेत्र में किए गए उत्कृष्ट कार्यों के लिए राज्य शिक्षक अवार्ड से सम्मानित किया जाएगा। यह अवार्ड 5 सितंबर के दिन पंचकूला में होने वाले कार्यक्रम के दौरान दिया जाएगा। इसके लिए गुरुग्राम के शिक्षकों चंद्रांस ओमबीर सिंह और पूनम दहिया को भी नामित किया गया।

गुरुग्राम। गुरुग्राम के तीन शिक्षकों को शिक्षा के क्षेत्र में किए गए उत्कृष्ट कार्यों के लिए राज्य शिक्षक अवार्ड से सम्मानित किया जाएगा। शिक्षा विभाग ने प्रदेश के चयनित शिक्षकों की सूची जारी कर दी है।

प्रदेश के 34 शिक्षक किए जाएंगे सम्मानित

प्रदेश से 34 शिक्षकों को इस सम्मान से सम्मानित किया जाएगा। इसमें जिले के राजकीय माडल संस्कृति प्राथमिक पाठशाला सुखराली के शिक्षक ओमबीर ठाकरान और पूनम दहिया तथा राजकीय कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, कासन के शिक्षक चंद्रांस का चयन शिक्षक पुरस्कार के लिए हुआ है। ओमबीर सिंह ठाकरान और चंद्रास को वर्ष 2022 तथा पूनम दहिया को वर्ष-2023 के लिए यह सम्मान दिया जाएगा। पांच सितंबर को पंचकूला में होने वाले कार्यक्रम में उन्हें यह पुरस्कार दिया जाएगा। सभी शिक्षकों को एक लाख रुपये नकद, प्रमाण-पत्र और रजत पदक दिया जाएगा।

इस प्रकार से होता है चयन

राज्य शिक्षक अवार्ड से सम्मानित किए जाने वाले चयनित शिक्षकों ने बताया कि इस पुरस्कार के लिए पहले ऑनलाइन आवेदन होता है।

दो हजार करोड़ का हाईवे और नीचे अव्यवस्था, जहां बनना था ग्रीन बेल्ट वहां लगा है कूड़े ढेर

दो हजार करोड़ की लागत से तैयार हुए गुरुग्राम-सोहना हाईवे से सोहना तक सफर आसान हो गया है। किंतु एलिवेटेड हाईवे के नीचे दुविधा दूर होने की बजाय और ज्यादा बढ़ गई है। बादशाहपुर में हाईवे के नीचे जीएमडीए को जिस जगह पर ग्रीन बेल्ट बनाई जानी थी उसके नीचे गंदगी के ढेर लग रहे हैं। जबकि गुरुग्राम नगर निगम का सफाई के लिए सालाना बजट 570 करोड़ रुपये है।

गुरुग्राम। गुरुग्राम-सोहना हाईवे का निर्माण इसलिए हुआ था ताकि लोगों का सफर आसान हो जाए। इस हाईवे को बनाने में दो हजार करोड़ की लागत आई थी। लेकिन एलिवेटेड हाईवे के नीचे दुविधा दूर होने की बजाय और ज्यादा बढ़ गई है।

बादशाहपुर में हाईवे के नीचे जीएमडीए को जिस जगह पर ग्रीन बेल्ट बनाई जानी थी, उसके नीचे गंदगी के ढेर लग रहे हैं। सड़क पर ही अवैध रूप से कूड़ा डंपिंग प्वाइंट बना दिया गया है। हाईवे के नीचे बादशाहपुर में दो तरफ की लेन पर दो किलोमीटर लंबी सड़क किनारे कूड़े के ढेर लगे हुए हैं।

नियमित रूप से नहीं हो रही सफाई

नगर निगम यहां पर नियमित रूप से सफाई भी नहीं करवा रहा है। निगम अधिकारियों के मुताबिक इस क्षेत्र में फिलहाल निगम रोल के कर्मचारी कार्यरत हैं। अधिकारियों का कहना है कि कूड़ा उठाने वाली इको ग्रीन कंपनी के डंपर नहीं आने के कारण समस्या बढ़ गई है।

सेनिटेशन विंग को सफाई कराने के आदेश दिए गए हैं। बता दें कि पिछले कई दिनों से मुख्य सड़क पर सफाई व्यवस्था गड़बड़ाई हुई है। बता दें कि गुरुग्राम-सोहना हाईवे 23 किलोमीटर लंबा है और 2022 में बनकर तैयार हुआ था। इस पर दो हजार करोड़ रुपये खर्च हुए थे और 11 किलोमीटर का हिस्सा एलिवेटेड है।

सड़क पर सब्जी मंडी, लग रहा ट्रैफिक जाम

बादशाहपुर में सड़क पर ही सब्जी मंडी लग रही है। सब्जी मंडी के वेस्ट और कूड़े का सड़क किनारे ही फेंका जा रहा है। नगर निगम की सेनिटेशन विंग गंदगी फैलाने वालों पर जुर्माना लगाने की कार्रवाई नहीं कर है।

सब्जी मंडी में प्रतिबंधित प्लास्टिक और पालीथिन का भी उपयोग किया जा रहा है। मंडी में आने वाले लोग सड़क पर ही अपने वाहनों को खड़ा कर देते हैं। वाहनों की सड़क पर अवैध पार्किंग के कारण दिनभर ट्रैफिक जाम लगा रहता है। जाम लगने के चलते लोगों को परेशान होना पड़ता है।

कहां खर्च हो रहे हैं सफाई बजट के 570 करोड़ रुपये?

गुरुग्राम नगर निगम का सफाई के लिए सालाना बजट 570 करोड़ रुपये है। किंतु शहर के हालात देखकर सहज ही अंदाजा लगाया जा सकता है कि शहर नहीं, बल्कि नगर निगम का खजाना साफ हो रहा है। जगह-जगह सड़कों के किनारे कूड़े के ढेर लग चुके हैं।

नगर निगम के जोन चार के वरिष्ठ सफाई निरीक्षक देवेंद्र का कहना है कि एजेंसी के कूड़ा नहीं उठाने के कारण समस्या बढ़ गई है। नगर निगम के सफाईकर्मी लगाकर बादशाहपुर क्षेत्र की सफाई करवाई जाएगी।

जीएमडीए को बनानी थी ग्रीन बेल्ट, निगम नहीं करा रहा सफाई। सफाई के कार्य का सालाना बजट 570 करोड़ रुपये रखा है।

गाजियाबाद में धीमी है बंध्याकरण की रफ्तार, आवारा कुत्तों के आतंक से कैसे मिलेगी निजात?

नगर निगम द्वारा सूचना के अधिकार के तहत शहर में पिछले पांच साल में आवारा कुत्तों के बंध्याकरण की संख्या और उसमें आने वाले खर्च की जानकारी मांगी गई थी जिसमें बताया गया है कि पिछले पांच साल 2019-2023 के बीच 9820 कुत्तों के बंध्याकरण का कार्य किया गया है। रफ्तार यही रही तो सभी आवारा कुत्तों का बंध्याकरण होने में कई साल लग जाएंगे।

गाजियाबाद। शहर में 2021 में हुई पशुगणना के अनुसार 48 हजार से अधिक आवारा कुत्ते हैं, जिनके आतंक से लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ता है। कई सोसायटियों में स्थिति यह है कि बच्चों को अकेले फ्लैट से बाहर भेजने में अभिभावक डरते हैं, उनको डर रहता है कि कहीं कुत्ता उनके बच्चे को काट न ले।

आवारा कुत्तों की संख्या कम हो, इसके लिए जरूरी है कि ज्यादा से ज्यादा आवारा कुत्तों का बंध्याकरण हो। गाजियाबाद में पिछले पांच साल में नगर निगम महज 9,820 आवारा कुत्तों का बंध्याकरण करवा पाया है। रफ्तार यही रही तो सभी आवारा कुत्तों का बंध्याकरण होने में कई साल लग जाएंगे।

पांच साल में कितने कुत्तों का बंध्याकरण हुआ?

नगर निगम द्वारा सूचना के अधिकार के तहत शहर में पिछले पांच साल में आवारा कुत्तों के बंध्याकरण की संख्या और उसमें आने वाले खर्च की जानकारी मांगी गई थी, जिसमें बताया गया है कि पिछले पांच साल 2019-2023 के बीच 9,820 कुत्तों के बंध्याकरण का कार्य किया गया है, जिसमें 74,04,160 रुपये का खर्च आया है। वहीं पालतू कुत्तों का पंजीकरण के सवाल पर नगर निगम ने बताया है कि वर्ष 2021 से जुलाई 2023 तक 5,269 पालतू कुत्तों का पंजीकरण किया गया है, जिससे नगर निगम को 25 लाख रुपये की आय हुई है। हालांकि, पालतु कुत्तों की संख्या इससे अधिक होने का अनुमान है। नगर निगम ने बिना पंजीकरण कराए कुत्ता पालने पर चार लोगों पर जुर्माना लगाया है।

साल - बंध्याकरण कराए गए कुत्तों की संख्या - खर्च हुई कुल धनराशि

2019 - 3,569 26,76,750
2020 - 0 0
2021 - 223 1,67,250
2022 - 1,738 13,01,936
2023 4290 32,58,224

शहर में आवारा कुत्तों के बंध्याकरण का कार्य 2020 में कोरोना के कारण बंद रहा था। पहले जो संस्था यह कार्य कर रही थी, अब उनके स्थान पर दूसरी संस्था को कार्य सौंपा गया है। शहर में एक और एनिमल बर्थ कंट्रोल सेंटर बनाने की तैयारी चल रही है, नया एबीसी सेंटर बनने के बाद रोजाना 80-100 कुत्तों का बंध्याकरण किया जा सकेगा।

- डॉ. अनुज कुमार सिंह, उप मुख्य पशु चिकित्सा एवं कल्याण अधिकारी

पशु कारोबारी से 23 लाख लूटने वाले छह बदमाश गिरफ्तार, दो साथी अभी भी फरार

गाजियाबाद में एनएच-9 पर 21 अगस्त की शाम पशु कारोबारी नदीम कुरैशी से हुई 23 लाख रुपये की लूट का पुलिस ने पर्दाफाश कर दिया है। लूट में शामिल छह बदमाशों को गिरफ्तार कर लिया है। वहीं दो बदमाश अभी भी फरार हैं। उनके कब्जे से लूटी गई रकम में से 20.50 लाख रुपये स्कूटी लूट में प्रयुक्त बाइक कार व हथियार बरामद किए हैं।

गाजियाबाद। विजयनगर थाना क्षेत्र के एनएच-9 पर 21 अगस्त की शाम पशु कारोबारी नदीम कुरैशी से हुई 23 लाख रुपये की लूट का पुलिस ने पर्दाफाश करते हुए छह बदमाशों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने बदमाशों के पास से लूटी गई रकम में से 20.50 लाख रुपये, स्कूटी, लूट में प्रयुक्त बाइक, कार व हथियार बरामद किए हैं। आठ बदमाशों ने रेकी के बाद वारदात को अंजाम दिया था। मामले में दो बदमाश अभी फरार हैं। पुलिस इनकी तलाश में जुटी है। घटना का चंद दिनों में पर्दाफाश करने पर पुलिस महानिदेशक ने पुलिस टीम को 25 हजार रुपये इनाम की घोषणा की है।

दो बदमाश अभी भी फरार

डीसीपी सिटी निपुण अग्रवाल ने बताया कि पकड़े गए बदमाशों में मेरठ मुंडाली के तुषार उर्फ हाका, अरूण, मेरठ किठौर के अभय, मेरठ परीक्षितगढ़ के नितिन उर्फ मुनीम, गौतमबुद्ध नगर के कासना के गौरव और नोएडा सेक्टर-143 के धीरज उर्फ रोशन शामिल है, जबकि विशाल और हर्ष अभी फरार है। फरार आरोपियों की तलाश जारी है। पुलिस का कहना है कि गौरव पूरी घटना का मास्टरमाइंड और गैंग का सरगना है। डीसीपी सिटी ने बताया कि करीब तीन महीने पहले गौरव की दिल्ली की एक पार्टी में मोंटी नाम के युवक से मुलाकात हुई थी। मोंटी ने बताया था कि गाजीपुर की मुर्गा मंडी से हवाला का मोटा पैसा इधर-उधर किया जाता है। इस पर गौरव ने साथियों के साथ मिलकर लूट की साजिश रची।

बाइक व कार से आए थे लूट करने

एसीपी कोतवाली निमिष पाटिल ने बताया कि सभी आरोपित आपस में दोस्त हैं। लूट में बाइक व कार का इस्तेमाल किया गया था। प्लान के अनुसार, गौरव और अरुण घटना से तीन दिन पूर्व धीरज की स्विफ्ट कार से मुर्गा मंडी पहुंचे। जहां उन्होंने मंडी में आने-जाने वाले कारोबारियों की रेकी की। आरोपित 21 अगस्त की दोपहर को ही मुर्गा मंडी पहुंच गए थे। वारदात के लिए नितिन ने अपनी बाइक और धीरज ने अपनी स्विफ्ट कार का इस्तेमाल किया था। आरोपियों ने वाहनों की असली नंबर प्लेट भी नहीं बदली थी। यही गलती उनपर भारी पड़ी और कैमरे में कैद हुए नंबर से पुलिस उन तक पहुंची।

स्कूटी और बाइक दोनों को छोड़ फरार हुए बदमाश

एसीपी निमिष पाटिल ने बताया कि वारदात के बाद बदमाशों ने लूटी गई स्कूटी को सिविल लाइन चौकी के पास सुनसान स्थान पर छोड़ दिया था। स्कूटी की डिग्गी से कैश निकाल कर अभय और तुषार ऑटो से भागे थे, जबकि नितिन अपनी बाइक से शहीदनगर मेट्रो स्टेशन की पार्किंग में छोड़कर बस से फरार हो गया था।

घटना के बाद सभी आरोपी मेरठ पहुंचे थे। जहां से बंटवारे के बाद वह अलग-अलग हो गए। बाद में आरोपित उत्तराखंड भी घूमकर आए थे। वहां उन्होंने लाखों कीमत के दो आईफोन और ब्रांडेड कपड़े खरीदे थे। आरोपितों ने करीब 40 हजार रुपये शराब पीने में खर्च कर दिए।

ये है पकड़े गए बदमाशों का प्रोफाइल

11वीं पास तुषार के खिलाफ मेरठ के सिविल लाइंस थाने में हत्या के प्रयास व मुंडाली थाने में मारपीट का केस दर्ज है। पूर्व में वह जेल भी जा चुका है। अभय एलएलबी की पढ़ाई कर रहा है। बीए की पढ़ाई कर रहा नितिन मेरठ के किला परीक्षितगढ़ थाना क्षेत्र में वर्ष 2018 में हुई डकैती व लूट के प्रयास में शामिल रहा। वर्तमान में वह ट्रैक्टर चलाकर खेत जोतने का काम करता है। ग्रेजुएट पास अरुण यूपी और दिल्ली पुलिस के सब इंस्पेक्टर की भर्ती के लिए सरोजनी नगर दिल्ली में कोचिंग ले रहा है। 12वीं व आइटीआइ पास गैंग सरगना गौरव पूर्व में नोएडा स्थित गोल्फ कोर्स कैडी का काम करता था। जबकि आरोपी धीरज का बिल्डिंग मैटीरियल सप्लाई का काम है।

2031 तक 40 लाख कारें बनाएंगी Maruti Suzuki, 6 ईवी भी शामिल

मारुति सुजुकी अगले आठ वर्षों में अपने उत्पादन को दोगुना करने की योजना बना रही है। इसके लिए कंपनी 45,000 करोड़ रुपये का निवेश भी करेगी। मारुति सुजुकी इंडिया के चेयरमैन आरसी भार्गव ने कहा कि ऑटोमेकर की योजना 2031 तक सालाना 40 लाख कारों का उत्पादन करने...

अगले आठ वर्षों में अपने उत्पादन को दोगुना करने की योजना बना रही है। इसके लिए कंपनी 45,000 करोड़ रुपये का निवेश भी करेगी। मारुति सुजुकी इंडिया के चेयरमैन आरसी भार्गव ने कहा कि ऑटोमेकर की योजना 2031 तक सालाना 40 लाख कारों का उत्पादन करने की है, जिससे वे उत्पादन क्षमता को दोगुना करने के लिए निवेश कर रही है।

मारुति सुजुकी अभी तक ईवी सेगमेंट में एंट्री नहीं की है। वहीं टाटा मोटर्स, हुंडई, एमजी मोटर्स और महिंद्रा के साथ-साथ कई लक्जरी कार ब्रांड पहले ही देश के ईवी सेगमेंट में अपने प्रोडक्ट लॉन्च कर चुके हैं। इस बारे में बात करते हुए भार्गव ने स्वीकार किया कि कंपनी इस सेगमेंट में देर से आई है, लेकिन उनका मानना है कि इससे इस क्षेत्र में पर्याप्त बाजार हिस्सेदारी हासिल करने की क्षमता को नुकसान पहुंचाकर ब्रांड पर कोई असर नहीं पड़ेगा।

उन्होंने आगे कहा कि मारुति सुजुकी का लक्ष्य दशक के अंत तक 6 इलेक्ट्रिक कारें लॉन्च करने का है, जो उसे बाजार में मजबूत स्थिति प्रदान करेगी। हां हम ईवी लॉन्च करने में कुछ कंपनियों से पीछे हैं, लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि हम बाजार में देर से आए हैं या जब हम 2024-25 में आ रहे हैं, तो हम किसी भी तरह से पर्याप्त बाजार हिस्सेदारी हासिल करने की अपनी क्षमता को नुकसान पहुंचाएंगे। मारुति सुजुकी 20 लाख यूनिट वार्षिक उत्पादन और बिक्री के माइलस्टोन तक पहुंच गई है। अब इसका लक्ष्य 40 लाख यूनिट के वार्षिक उत्पादन और बिक्री के लक्ष्य तक पहुंचकर उस आंकड़े को दोगुना करना है। यह योजना ऑटोमेकर की 'मारुति 3.0' रणनीति का हिस्सा होगी, जिसके तहत कंपनी वित्त वर्ष 2030-31 तक बाजार में लगभग 28 विभिन्न कार मॉडलों के साथ 20 लाख यूनिट उत्पादन क्षमता जोड़ने का लक्ष्य रख रही है।

सिट्रोएन ईसी 3 ईवी की ये खासियत जान आप भी हो जाएंगे हैरान

इलेक्ट्रिक वाहनों (ईवी) ने पारंपरिक दहन-इंजन कारों के लिए पर्यावरण-अनुकूल विकल्प पेश करके ऑटोमोबाइल उद्योग में क्रांति ला दी है। ऑटोमोटिव बाजार में एक प्रमुख खिलाड़ी सिट्रोएन ने हाल ही में अपने लाइनअप में एक रोमांचक एडिशन - सिट्रोएन eC3 का अनावरण किया है। इस लेख में, हम इस नए संस्करण की अनूठी विशेषताओं और विशिष्टताओं पर प्रकाश डालेंगे, यह खोजेंगे कि यह सड़कों पर विद्युत क्रांति में कैसे योगदान दे रहा है।

1. Citroën eC3 का परिचय: ड्राइविंग के भविष्य की एक झलक

Citroën eC3 एक उल्लेखनीय इलेक्ट्रिक वाहन है जो टिकाऊ परिवहन के लिए ब्रांड की प्रतिबद्धता को प्रदर्शित करता है। अपने आकर्षक डिजाइन और नवीन तकनीक के साथ, यह ईवी ड्राइविंग अनुभव को फिर से परिभाषित करने के लिए तैयार है।

2. पर्यावरण-अनुकूल गतिशीलता को अपनाना: सिट्रॉन की स्थिरता के प्रति प्रतिबद्धता

पर्यावरणीय चेतना के प्रति सिट्रोएन का समर्पण eC3 में स्पष्ट है। वाहन का इलेक्ट्रिक पावरट्रेन कार्बन उत्सर्जन और जीवाश्म ईंधन पर निर्भरता को कम करता है, जिससे यह आधुनिक ड्राइवरों के लिए एक जिम्मेदार विकल्प बन जाता है।

3. शक्ति और प्रदर्शन: eC3 का हृदय

अपने स्टाइलिश बाहरी हिस्से के तहत, Citroën eC3 प्रभावशाली प्रदर्शन क्षमताओं का दावा करता है। इसकी इलेक्ट्रिक मोटर तत्काल टॉर्क प्रदान करती है, जिसके परिणामस्वरूप एक सहज और प्रतिक्रियाशील त्वरण होता है जो समग्र ड्राइविंग गतिशीलता को बढ़ाता है।

4. डिज़ाइन भाषा: सौंदर्यशास्त्र को वायुगतिकी के साथ मिलाना

ईसी3 का डिज़ाइन सौंदर्यशास्त्र और वायुगतिकी का मिश्रण है। इसकी चिकनी रेखाएं और सावधानी से गढ़ा गया शरीर न केवल इसकी दृश्य अपील में योगदान देता है बल्कि ड्रैग को कम करके दक्षता को भी अनुकूलित करता है।

5. आंतरिक आराम और कनेक्टिविटी: एक तकनीकी-अग्रेषित दृष्टिकोण

eC3 के अंदर कदम रखें, और आपका स्वागत एक सोच-समझकर डिज़ाइन किया गया इंटीरियर करेगा। आरामदायक बैठने की जगह, उन्नत इंफोटेनमेंट सिस्टम और सहज नियंत्रण एक तकनीकी-अग्रेषित केबिन बनाते हैं जो सुविधा और ड्राइविंग आनंद दोनों को बढ़ाता है।

6. चार्जिंग इंफ्रास्ट्रक्चर: लंबी यात्राओं के लिए मार्ग प्रशस्त करना

इलेक्ट्रिक वाहन अपनाने का एक महत्वपूर्ण पहलू चार्जिंग बुनियादी ढांचा है। Citroën चार्जिंग नेटवर्क के विस्तार पर काम कर रहा है, जिससे यह सुनिश्चित हो सके कि eC3 के मालिक आत्मविश्वास के साथ लंबी यात्राएं कर सकें।

7. ड्राइविंग रेंज और दक्षता: अतिरिक्त मील तक जाना

eC3 की बैटरी तकनीक एक बार चार्ज करने पर प्रभावशाली ड्राइविंग रेंज प्रदान करती है। यह रेंज, वाहन की ऊर्जा दक्षता के साथ मिलकर, इसे दैनिक आवागमन और अधिक विस्तारित सड़क यात्राओं के लिए एक व्यवहार्य विकल्प बनाती है।

8. सुरक्षा नवाचार: यात्री सुरक्षा को प्राथमिकता देना

Citroën सुरक्षा पर ज़ोर देता है, और eC3 कोई अपवाद नहीं है। टक्कर टालने की प्रणालियों और बुद्धिमान ब्रेकिंग सहित उन्नत सुरक्षा सुविधाओं से सुसज्जित, वाहन अपने बैठने वालों की भलाई को प्राथमिकता देता है।

9. भविष्य के लिए तैयार प्रौद्योगिकी: स्वायत्त ड्राइविंग के लिए मार्ग प्रशस्त करना

जैसे-जैसे ऑटोमोटिव उद्योग विकसित होता है, वैसे-वैसे वाहनों के भीतर प्रौद्योगिकी भी विकसित होती है। ईसी3 भविष्य के लिए तैयार तकनीक से लैस है जो हमें स्वायत्त ड्राइविंग के दायरे के करीब लाता है, सुविधा और सुरक्षा बढ़ाता है।

10. सिट्रोएन eC3 बनाम पारंपरिक दहन वाहन: एक तुलना

इस अनुभाग में, हम eC3 और पारंपरिक दहन-इंजन वाहनों के बीच अंतर का पता लगाएंगे, और इलेक्ट्रिक गतिशीलता में संक्रमण के लाभों पर प्रकाश डालेंगे।

11. ड्राइविंग अर्थशास्त्र: इलेक्ट्रिक होने के वित्तीय लाभ

eC3 का मालिक होने से समय के साथ लागत में पर्याप्त बचत हो सकती है। कम ईंधन खर्च से लेकर कम रखरखाव लागत तक, इलेक्ट्रिक वाहन बजट के प्रति जागरूक ड्राइवरों के लिए आर्थिक रूप से अच्छा विकल्प पेश करते हैं।

12. पर्यावरणीय प्रभाव: आपके कार्बन पदचिह्न को कम करना

eC3 पर स्विच करने से आपके कार्बन पदचिह्न को कम करने में योगदान मिलता है। हम ईवी के पर्यावरणीय लाभों के बारे में विस्तार से जानेंगे और कैसे वे जलवायु परिवर्तन से निपटने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

13. आगे की राह: इलेक्ट्रिक मोबिलिटी के लिए सिट्रोएन का विजन

सिट्रोएन का इलेक्ट्रिक वाहनों में प्रवेश तो बस शुरुआत है। इस अनुभाग में, हम इलेक्ट्रिक मोबिलिटी के लिए ब्रांड की भविष्य की योजनाओं और ऑटोमोटिव परिदृश्य को आकार देने में इसकी भूमिका पर एक नज़र डालेंगे।

14. Citroën eC3 के साथ भविष्य को अपनाना

Citroën eC3 टिकाऊ परिवहन की दिशा में एक महत्वपूर्ण प्रगति का प्रतिनिधित्व करता है। शैली, प्रदर्शन और पर्यावरण संबंधी जागरूकता के मिश्रण के साथ, यह ड्राइविंग के रोमांचक भविष्य का मार्ग प्रशस्त कर रहा है।

आ रही है एक और Electric Car, Tiago EV से भी कम होगी कीमत! रेंज 400 किलोमीटर से ज्यादा

इंडियन ऑटोमोबाइल मार्केट में एक और इलेक्ट्रिक कार दस्तक देने जा रही है. इंडियन ऑटोमोबाइल मार्केट में एक और इलेक्ट्रिक कार दस्तक देने जा रही है.

रिनॉल्ट जल्द ही क्विड का इलेक्ट्रिक अवतार देश में लॉन्च कर सकती है. कार को कम कीमत पर लेकिन ज्यादा रेंज के साथ उतारा जाएगा. माना जा रहा है कि 1 साल में कंपनी इसको लॉन्च करेगी.

देश में तेजी से बढ़ती पेट्रोल डीजल की कीमतों के बीच अब लोगों ने इलेक्ट्रिक वाहनों की तरफ रुख कर लिया है. खासकर कारों की बात की जाए तो इलेक्ट्रिक कारों की बिक्री में तेजी से बढ़त देखने को मिली है. कम खर्च में चलने वाली इलेक्ट्रिक कारों की लाइफ भी ज्यादा है और इनका मेंटेनेंस भी काफी कम आता है. हालांकि इन कारों की शुरुआती कीमत काफी ज्यादा होती है लेकिन फिर भी ये लंबे समय में पेट्रोल और डीजल कारों के मुकाबले काफी सस्ती पड़ती हैं. इलेक्ट्रिक कारों के इंडियन बाजार में फिलहाल टाटा का बोलबाला है और Tiago EV और Nexon EV को अभी तक टक्कर देने वाली कोई भी कार मौजूद नहीं है. हालात ये हैं कि टियागो ईवी और टिगोर ईवी की करीब 50 हजार यूनिट्स अभी तक सेल हो चुकी हैं. लेकिन अब टाटा की इलेक्ट्रिक कारों को टक्कर देने के लिए जल्द ही बाजार में एक बजट ईवी आने जा रही है. बताया जा रहा है कि इसकी कीमत भी टियागो ईवी से कम होगी और रेंज काफी ज्यादा होगी.

यहां पर हम बात कर रहे हैं रेनॉल्ट क्विड ईवी (Renault Kwid EV) की. बाजार में ईवी की मांग को देखते हुए कंपनी अब 1 साल में ही अपनी क्विड ईवी को लॉन्च कर सकती है. हालांकि कंपनी ने अभी तक कीमतों का खुलासा नहीं किया है लेकिन इस कार की कीमत 8 लाख रुपये से भी कम हो सकती है. ऐसे में ये टियागो से भी कम कीमत पर उपलब्ध होगी. वर्तमान में आ रही क्विड से इसका डिजाइन कुछ अलग होगा और इसमें बंपर, लाइट, ग्रिल को बदल दिया जाएगा.

कई तरह के बदलाव

कार में आपको डिजाइन के अलावा भी कई तरह के बदलाव देखने को मिलेंगे. कार के सस्पेंशन को भी पूरी तरह से बदल दिया गया है. इसे ज्यादा मजबूत बनाया गया है ताकि ये ज्यादा लोड ले सके. वहीं अब तक क्विड में आ रहा हंपी फर्श इसमें देखने को नहीं मिलेगा. नई क्विड ईवी में आपको इंटीरियर में भी काफी बदलाव देखने को मिलेंगे. इसमें बड़ा और बेहतर इंस्ट्रूमेंट क्लस्टर दिया जाएगा, वहीं कार में ड्राइवर डिस्प्ले भी पूरी तरह से डिजिटल होगा. कार में आपको तीन से चार ड्राइविंग मोड्स भी मिलेंगे.

क्विड ईवी को देश में ही तैयार करने की योजना है.

ज्यादा होगी रेंज

माना जा रहा है कि यूरोपियन बाजार में बिकने वाली क्विड ईवी को ही कुछ बदल कर इंडिया में लॉन्च किया जाएगा. इसमें 26.8 किलोवॉट का बैटरी पैक दिया जाएगा जो 44 बीएचपी की पावर जनरेट करेगा. ये बैटरी पैक कार को सिंगल चार्ज पर 400 किलोमीटर तक की रेंज देगा. हालांकि इसको लेकर अभी कंपनी की ओर से कोई बयान नहीं दिया गया है.

इनसे होगा सीधा मुकाबला

रिनॉल्ट क्विड ईवी का सीधा मुकाबला टाटा टियागो ईवी, सिट्रॉएन ईसी 3 और एमजी कॉमेट से होगा. इन तीनों ही हैचबैक सेगमेंट में आने वाली ईवी का बाजार में काफी बोलबाला है हालांकि इनकी कुछ कमियां भी हैं जिनको पूरा कर रिनॉल्ट क्विड ईवी को बाजार में आगे निकालने की कोशिश में रहेगी.

भारत में ही होगी तैयार

वहीं रिनॉल्ट की ओर से आए बयान के अनुसार ईवी योजनाओं को लेकर कंपनी आगे बढ़ रही है और देश में इलेक्ट्रिक कारों की सफलता को देखते हुए आने वाले दिनों में कई इलेक्ट्रिक कारें यहां पर लॉन्च की जाएंगी. हालांकि अभी इसको लेकर कोई टाइमलाइन स्पष्ट नहीं है. वहीं रिनॉल्ट की पहली इलेक्ट्रिक कार को 60 प्रतिशत तक स्थानीय तौर पर ही तैयार किया जाएगा.

एनपीए का अर्थशास्त्र और राजनीति

डा. अश्विनी महाजन

फिलहाल जारी होने वाले बॉन्ड के आधार पर केंद्र सरकार पर ब्याज का बोझ सालाना 8000 करोड़ रुपए पड़ेगा'

कुछ वर्ष पहले भारतीय बैंक भारी संकट में थे और उनका एनपीए (यानी वे उधार जिसकी अदायगी संदिग्ध थी) प्रतिशत चरम पर था, जिससे इन बैंकों का अस्तित्व ही खतरे में पड़ गया था। विपक्षी दल लगातार सरकार पर अमीर लोगों को फायदा पहुंचाने के लिए लाखों करोड़ रुपये के कर्ज माफ करने का आरोप लगाते रहे हैं। सरकार का दावा है कि अधिकांश एनपीए ऋण पिछली यूपीए सरकार के कार्यकाल के दौरान दिए गए थे और इन ऋणों के वितरण से पहले इस बात की जांच नहीं की गई थी कि कर्जदारों के पास इन ऋणों को चुकाने की क्षमता है या नहीं? एनपीए के खतरे ने बैंकों के वित्तीय स्वास्थ्य को प्रभावित किया। बैंकों की साख भी घट गई और वे अस्तित्व के संकट से जूझ रहे थे। लेकिन अब सरकार के प्रयासों की बदौलत आज न सिर्फ बैंकों का एनपीए घटकर 3.9 फीसदी पर आ गया है, बल्कि अब बैंक मुनाफा भी कमाने लगे हैं। अब इन बैंकों ने अपनी सेहत सुधारने के बाद सरकार को लाभांश देना भी शुरू कर दिया है। इसके साथ ही इन बैंकों के शेयरों का बाजार मूल्य भी काफी बढ़ गया है। अब समय पीछे मुडक़र देखने और समझने का है कि क्या गलती हुई और कहां?

एनपीए के निहितार्थ : बैंकों के डूबे कर्ज के कारण बैंकों की ऋण देने की क्षमता में भारी कमी आई। ऐसे में बैंक पात्र कर्जदारों को भी कर्ज नहीं दे पा रहे थे। इससे देश के विकास में बड़ी बाधा उत्पन्न होने लगी। बैंकों को इन एनपीए ऋणों के लिए भारी प्रावधान करना पड़ा, जिसके परिणामस्वरूप उनकी लाभप्रदता में भारी गिरावट आई। बैंकों की वित्तीय सेहत बिगडऩे से अर्थव्यवस्था में मांग और निवेश दोनों पर बुरा असर पड़ा। न सिर्फ बैंकों की सेहत बल्कि अर्थव्यवस्था की सेहत भी खराब हो गई और देश बड़े संकट में पहुंच गया। मौजूदा केंद्र सरकार और विपक्षी दलों के बीच आरोप-प्रत्यारोप को देखते हुए यह विश्लेषण जरूरी है कि बैंकों के एनपीए के लिए असल में जिम्मेदार कौन है? यह सवाल राजनीति का नहीं है, इस सवाल का जवाब इसलिए भी जरूरी है ताकि भविष्य में ऐसा संकट दोबारा न दोहराया जाए।

एनपीए समस्या की उत्पत्ति : आंकड़ों से पता चलता है कि एनपीए मार्च 2018 में चरम पर थे, जब सकल एनपीए 11.2 प्रतिशत दर्ज किया गया था। मार्च 2014 में सकल एनपीए 3.8 प्रतिशत था। इसके बाद, मार्च 2015 में सकल एनपीए बढक़र 4.3 प्रतिशत, मार्च 2016 में 7.5 प्रतिशत और मार्च 2017 में 9.3 प्रतिशत हो गये। मार्च 2018 के बाद सकल और शुद्ध एनपीए दोनों में गिरावट का रुझान दिखा। यह समझना होगा कि किसी भी ऋण को एनपीए तब माना जाता है जब ऐसे ऋण पर मूलधन और ब्याज 90 दिनों तक नहीं चुकाया जाता है। किसी भी ऋण के वितरण के बाद वह तुरंत एनपीए नहीं बन जाता है। इसके एनपीए बनने में एक अंतराल है, इसलिए यदि मार्च 2018 में सकल एनपीए अधिकतम थे, तो इसका मतलब है कि जो ऋण एनपीए बन गए हैं, वे कई साल पहले वितरित किए गए थे। यहां यह समझना जरूरी है कि जो उधार एनपीए हो गए हैं, वे किस अवधि में दिए गए थे। इसके साथ ही यह भी समझना उचित होगा कि जिस अवधि में ये ऋण दिये गये थे, क्या बैंकों ने अत्यधिक ऋण दिये थे? आंकड़े बताते हैं कि साल 2004 में बैंकों का कुल बकाया कर्ज 71.76 लाख करोड़ रुपये था, जो मार्च 2014 तक बढक़र 628.21 लाख करोड़ रुपये हो गया, यानी करीब 9 गुना बढ़ोतरी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली एनडीए सरकार के अगले 9 साल देखें तो मार्च 2023 तक बैंकों का कुल उधार 1419.80 लाख करोड़ रुपये तक ही पहुंच पाया, यानी सिर्फ 2.26 गुना बढ़ोतरी। अगर वार्षिक वृद्धि दर के संदर्भ में देखा जाए तो बकाया ऋण की मात्रा में यूपीए काल में 24.22 प्रतिशत और एनडीए काल में केवल 9.48 प्रतिशत की वार्षिक वृद्धि दर्ज की गई थी। बाद में हुई एनपीए की स्थिति को देखकर ऐसा लगता है कि यूपीए शासन में 'कर्जों की लूट' हो रही थी, अन्यथा बकाया ऋणों में 9 गुना वृद्धि कैसे हो सकती थी, जिसका एक बड़ा हिस्सा बाद में एनपीए बन गया। महत्वपूर्ण बात यह है कि एनपीए में तब्दील होने वाले अधिकांश ऋण 2014 से पहले दिए गए थे। यूपीए युग के पहले 3 वर्षों में, एनपीए की मात्रा और प्रतिशत में गिरावट जारी रही। वर्ष 2004 में एनपीए 0.65 लाख करोड़ रुपए थे और 2007 तक ये घटकर 0.5 लाख करोड़ रुपये के करीब रह गये। लेकिन वर्ष 2014 तक यानी सिर्फ 7 साल में ये बढक़र 2.63 लाख करोड़ रुपये हो गए, यानी 5 गुना से भी ज्यादा बढ़ोतरी। यह वृद्धि प्रतिशत के रूप में कम प्रतीत होती है क्योंकि इस अवधि के दौरान ऋण बहुत तेज गति से वितरित किए गए थे और ऋण की कुल मात्रा में काफी वृद्धि हुई। जितनी तेजी से ऋण बांटे गए, उतनी ही तेजी से एनपीए ऋण की राशि भी बढ़ी और मार्च 2018 तक एनपीए ऋण 10.4 लाख करोड़ रुपये तक पहुंच गये। यानी ऐसे समझा जा सकता है कि एनपीए में तब्दील होने वाले ज्यादातर ऋण 2014 से पहले दिए गए थे। अब सवाल यह उठता है कि बैंक पहले दिए गए कर्ज की वसूली करने में असफल क्यों रहे? इस प्रश्न की गहराई में जाने पर पता चलता है कि इनमें से अधिकांश ऋणों के बदले गिरवी रखी गई प्रतिभूतियां पर्याप्त नहीं थीं। इस वजह से, बैंकों के पास प्रतिभूतियों की नीलामी करके इन ऋणों की वसूली का कोई मौका नहीं था। लेकिन इससे पहले कि जानबूझकर अदायगी में कोताही करने वालों को कानूनी प्रक्रिया के बाद जेल भेजा जाता, वे देश छोडक़र विदेश भागने में कामयाब हो गए। ऐसे भगोड़ों में विजय माल्या, ललित मोदी, माहुल चोकसी, नीरव मोदी आदि के नाम प्रमुख हैं।

समस्या का समाधान कैसे हुआ : सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों के पुनर्पूंजीकरण और कुछ ऋणों की वसूली और इन्सोलवेंसी एंड बैंकरप्सी (आईबीसी) अधिनियम बनने के साथ बैंकों की बैलेंस शीट की सफाई की बदौलत, सकल एनपीए अब मार्च 2023 तक घटकर केवल 3.9 प्रतिशत होने की उम्मीद है। आज सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक न सिर्फ पटरी पर लौट आये हैं, बल्कि उनकी सेहत भी बेहतर हो गयी है। घाटे से उबरकर वे अब मुनाफा कमा रहे हैं और सरकार को भारी लाभांश भी दे रहे हैं।

पुनर्पूंजीकरण, और क्या है बजट पर इसका प्रभाव : सरकार ने बैंकों के पुनर्पूंजीकरण के लिए बांड जारी किये। ये बैंक ही थे जिन्होंने इन बांडों की खरीद की। सरकार द्वारा एकत्र किया गया धन इक्विटी पूंजी के रूप में बैंकों तक पहुंचा। इससे सरकार ने बैंकों की इक्विटी होल्डिंग्स में अपनी हिस्सेदारी बढ़ा दी जिससे बैंकों के पूंजी भंडार में वृद्धि हुई। दिलचस्प बात यह है कि पुनर्पूंजीकरण के वर्ष के दौरान बजट से कोई नकद निकासी नहीं हुई, हालांकि यह सार्वजनिक ऋण के अतिरिक्त था। परिणामस्वरूप बजट पर वास्तविक प्रभाव तभी पड़ा जब सरकार ने बैंकों को उनके पास मौजूद प्रतिभूतियों पर ब्याज का भुगतान किया। बैंकों द्वारा पुनर्पूंजीकरण बांड में निवेश किए गए धन को एक निवेश के रूप में वर्गीकृत किया जाता है जिस पर उन्हें ब्याज मिलता है। इससे पहले भी वर्ष 1986 से वर्ष 2001 के बीच केंद्र सरकार ने सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों का कुल 20446 करोड़ रुपये का पुनर्पूंजीकरण किया था। इस अवधि के दौरान विशेष बांड जारी किए गए और बैंकों द्वारा स्वयं उनकी खरीद की गई। ये बांड पहले गैर विपणन योग्य थे, लेकिन बाद में इन्हें विपणन योग्य बांड में बदल दिया गया। ऐसे में बजट से कोई राशि नहीं दी गयी। इसका प्रभाव अगले वर्षों में बजट पर पड़ा, जब सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों को इन बांडों पर ब्याज का भुगतान किया गया। लेकिन खास बात यह है कि इस दौरान बैंकों ने केंद्र सरकार को 15222 करोड़ रुपये का लाभांश भी दिया। यानी इस पुनर्पूंजीकरण का राजस्व पर प्रभाव न्यूनतम था। फिलहाल जारी होने वाले बॉन्ड के आधार पर केंद्र सरकार पर ब्याज का बोझ सालाना 8000 करोड़ रुपये पड़ेगा। दिलचस्प बात यह है कि बैंकों की हालत सुधरने के बाद अब उन्होंने सरकार को भारी लाभांश भी देना शुरू कर दिया है।

संपादक की कलम से

ये विश्व चैंपियन लाडले

हरियाणा का छोकरा नीरज चोपड़ा अब विश्व चैम्पियन बन गया है। उसने 'भाला फेंक' खेल की विश्व चैम्पियनशिप में स्वर्ण पदक जीता है और अपने अंतिम स्वप्न को साकार किया है। नीरज की भाला फेंकने वाली बाजू को ही 'स्वर्णिम' कहा जाने लगा है, क्योंकि अब वह ओलंपिक चैम्पियन के साथ-साथ विश्व चैम्पियन भी है। 'डायमंड लीग' का अंतरराष्ट्रीय ताज भी उसके माथे सजा है। 25 वर्षीय भारतीय खिलाड़ी ने साबित कर दिया है कि वह 'भाला फेंक' का सर्वकालिक सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी है। नीरज की झोली में एशियन गेम्स, राष्ट्रमंडल खेल, अंडर-20 विश्व चैम्पियनशिप के भी स्वर्ण पदक चमक बिखेर रहे हैं। यकीनन मां भारती को अपने लाडले पर गर्व है, वह देश का गौरव है, हमारी आन, बान, शान का प्रतीक है। नीरज ने वैश्विक मुकाबले में, दूसरे ही प्रयास में, 88.17 मीटर दूर भाला फेंक कर तय कर लिया कि खेल का आसमान उसके नाम दर्ज हो गया है। फिर उसने आंखें मूंद कर एक हुंकार भरी और तालियां बजाने लगा। फिर पूरा स्टेडियम तालियों से गूंज उठा। हालांकि भारत और नीरज के खेल के दीवाने आज भी प्रतीक्षारत हैं कि उसका भाला कब 90 मीटर के पार जाएगा? यह लक्ष्य भी बहुत दूर नहीं है। नीरज चोपड़ा एकमात्र भारतीय खिलाड़ी हैं, जिसने एथलेटिक्स में ओलंपिक और विश्व चैम्पियन बनने का गौरव हासिल किया है। वैसे पीवी सिंधु बैडमिंटन की विश्व चैम्पियन बन चुकी हैं, लेकिन वह ओलंपिक चैम्पियन नहीं रहीं। मुक्केबाजी में निकहत जरीन, अपने भार-वर्ग में, लगातार दो बार विश्व चैम्पियन बनी हैं। अब भी वल्र्ड चैम्पियन हैं। कुश्ती में अंतिम पंघाल ने भी, अपने भार-वर्ग में, लगातार दो बार विश्व खिताब जीता है।

अब भी विश्व विजयी हैं। आज शतरंज के 18 वर्षीय प्रज्ञाननंदा का उल्लेख भी बेहद जरूरी है, क्योंकि वह फिडे विश्व कप में, दुनिया के चैम्पियन खिलाडियों को मात देकर, फाइनल में पहुंचे थे। वहां विश्व चैम्पियन एवं नंबर वन खिलाड़ी मैग्नस कार्लसन से टाईब्रेकर में मात खा गए। वह विश्व उपविजेता हैं। अर्थात भविष्य के विश्व चैम्पियन हैं। शतरंज के पांच बार विश्व चैम्पियन रहे विश्वनाथन आनन्द की इस नई पौध के खेल पर पुराने दिग्गज चैम्पियन खिलाड़ी भी गदगद और हैरान हैं। इस पौध में गुकेश और अर्जुन आदि ग्रैंडमास्टरों के नाम भी शामिल हैं। हम भी हैरान और स्तब्ध हैं कि छोटी-सी किशोर आयु में ही इन खिलाडियों ने शतरंज का पेचीदा खेल कैसे सीख लिया और उसमें महारत हासिल की कि ग्रैंडमास्टर का दर्जा भी प्राप्त कर लिया और विश्व कप में खेलने की पात्रता हासिल की! ये तमाम चैम्पियन खिलाड़ी ऐसे खेलों के हैं, जो खेल ज्यादा प्रचलित नहीं हैं। क्रिकेट की तरह आम आदमी इन खेलों के प्रति उन्मादी और आसक्त नहीं है। इन खेलों में ज्यादा पैसा भी नहीं है और प्रायोजक भी बहुत कम हैं। दरअसल ये खिलाड़ी जन्मजात प्रतिभाएं हैं। उन्हें तराशा गया है। उनमें ग्रहण-शक्ति कमाल की है। बौद्धिक ताकत और क्षमता भी प्रबल है। बेशक भारत और राज्य सरकारें इनकी खूब आर्थिक और अन्य मदद करती हैं, लेकिन ये खिलाड़ी लंबे अंतराल तक विदेश में रहते हैं और अपने खेल को धार देते रहते हैं। ये खिलाड़ी अपनी जिम्मेदारी भी समझते हैं, नतीजतन आज वे विश्व चैम्पियन हैं।

नीरज चोपड़ा ने 'भाला फेंक' खेल को ऐसी प्रतिष्ठा और आसक्ति प्रदान की है, नतीजतन किशोर जेना और डीपी मनु के तौर पर उनकी नई पीढ़ी, विरासत आकार ग्रहण कर रही है। जेना और मनु ने विश्व चैम्पियनशिप में 84 मीटर से दूर भाला फेंका और क्रमशः पांचवें और छठे स्थान पर रहे। दरअसल देश में खेल और खिलाडियों की शक्ल बदल रही है, लिहाजा पेरिस ओलंपिक, 2024 में बेहतर प्रदर्शन की अपेक्षाएं की जा सकती हैं। बैडमिंटन में प्रणय और लक्ष्य ऐसे खिलाड़ी उभरे हैं, जिन्होंने विश्व नंबर वन, टू और अन्य शीर्ष खिलाडियों को पराजित कर वैश्विक खिताब जीते हैं। अलबत्ता उन्हें विश्व चैम्पियन बनते देखने की प्रतीक्षा अब भी है।

राय

गलती स्वीकार करें

तबाही के बाद सुधार की समीक्षा का अर्थ यह नहीं कि आलोचना के कक्ष में बैठकर सियासत की जाए या सोशल मीडिया के ज्ञान में नागरिक समाज अपनी प्राथमिकताएं गिनने लगे। सर्वप्रथम हिमाचल में वित्तीय कटौतियों के लिए सर्वानुमति बनानी पड़ेगी और इसके लिए प्रतिपक्ष को अपना हालिया रवैया बदलना पड़ेगा, जबकि सत्ता को भी सहमति के वातावरण में कुछ ऐसे कदम लेने पड़ेंगे, जो सामान्यता इतने सरल नहीं होते। सबसे अहम व प्राथमिक कार्य सडक़ों की बहाली है और सेब आर्थिकी को पटरी पर लाने की मशक्कत में राज्य के संसाधनों का बेहतर इस्तेमाल यही होगा। जाहिर तौर पर इस दौरान नए सरकारी भवनों व ऐसी तमाम परियोजनाओं को कुछ समय तक रोकना होगा ताकि सबसे पहले तबाही के जख्म मिटाए जा सकें। यह तबाही एक तरह से हमारे पतन की निशानी है तथा सियासी प्राथमिकताओं की खुशफहमी भी। इस दौरान प्रगति के कई साल अगर बर्बाद हुए, तो यह जांचने-परखने का समय है। ऐसा नहीं है कि हर जगह सरकार असफल हुई, बल्कि इतना जरूर है कि हमने विध्वंस के रास्ते चुन लिए। मुश्किल व अनिवार्य विकल्प चुनने के बजाय अतीत के सही रास्ते भी छोड़ दिए। हमारे भीतर आचार-व्यवहार व अतिक्रमणकारी स्वभाव का माफिया पैदा हो गया। जरूरत से ज्यादा इमारतें, जरूरत से ज्यादा सडक़ें और जरूरत से ज्यादा निजी वाहनों की खरीददारी ने हमारी प्राथमिकताओं को पागल बना दिया है। यह सारा विकास कहीं न कहीं पागलपन बना, इसलिए मौसम पगला गया। हिमाचल की त्रासदी का व्यापक अध्ययन लाजिमी हो जाता है ताकि भविष्य को अलग ढंग से देखा जाए।

हमने बाजार, व्यापार, बस्तियां, पर्यटन और सरकारी प्रदर्शन को जिस हालात तक पहुंचा दिया है, उसके खतरे समझने होंगे। कुछ लोग यह समझने की गलती कर रहे हैं कि शिमला, कुल्लू व मंडी जिलों में ही गड़बड़ी हुई। ऐसा मानना गलत आकलन है, क्योंकि पूरे प्रदेश में दस हजार के करीब घर व अन्य भवन किसी न किसी तरह क्षतिग्रस्त हुए हैं। अगर शिमला में इमारतों के ढहने की झड़ी लगी, तो कई गांवों का अस्तित्व मिट गया। ऐसे में राजधानी बदलने की बहस के बजाय यह सोचना होगा कि हमने शहरीकरण को किस हद तक नजरअंदाज किया। लगातार चार दशक तक टीसीपी कानून को अक्षम बनाए रखा, जबकि शहरी विकास योजनाओं से गांवों को बाहर करने की दौड़ में कई नेता लगे रहे। पाठकों को याद होगा कि हमने हमेशा पूरे हिमाचल में इस कानून को लागू करने की सिफारिश की ताकि गांव भी व्यवस्थित विकास की शर्तें पूरी करें। इसके लिए प्रदेश में एक दर्जन विकास प्राधिकरण के तहत ग्रामीण एवं शहरी विकास के बीच सामंजस्य तथा नागरिक सुविधाओं में इजाफा किया जा सके। प्रदेश के हर शहर में कम से कम चार खुले मैदान विकसित करके ऐसी आपदाओं के वक्त राहत एवं बचाव कार्यों के लिए एक स्थायी समाधान उपलब्ध होगा। प्रदेश की खनन नीति का नया रोडमैप तैयार करना होगा और हर खड्ड, नदी व कूहल का तटीकरण तथा उसके जल बहाव को वार्षिक रूप से तैयार करना होगा। अब समय आ गया है जब बरसात से पहले पूरे प्रदेश के महकमों के अलावा स्थानीय निकायों को जल निकासी के सारे इंतजाम करने होंगे। प्रदेश को अपनी जलविद्युत नीति में सुधार के अलावा तमाम परियोजनाओं की मानिटरिंग करनी पड़ेगी। बारिश के दौरान चेतावनी सिस्टम के लिए एक रूपरेखा बनानी होगी ताकि नागरिक भी अपनी जिम्मेदारी समझें। अब यह स्वीकार करने का समय है कि सभी सामूहिक रूप से इस बर्बादी के पीछे अपनी-अपनी गलती स्वीकार करें और आइंदा कानून के दिशा निर्देशों का सौ फीसदी पालन करें।

चंद्रविजय का ऐतिहासिक व गौरवशाली पल

चंद्रयान-3 पिछली इन सफलताओं तथा असफलताओं की निरंतर सीख का ही परिणाम है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने खुशी व्यक्त करते हुए वैज्ञानिकों को तुरंत बधाई देते हुए उनका मनोबल बढ़ाया'

दुनिया में लोगों ने चांद को अपनी-अपनी कल्पना तथा अपनी नजर से देखा है। कभी मां ने बेटे को चंदा कहकर पुकारा है। कभी चंदा मामा कह कर अपने लला को दिखाया है। कभी अपने लाडले के खेलने के लिए चांद लाने की बात कही है। कभी प्यार भरी थपकी देकर चंदा मामा के आने का दिलासा देकर सुलाया है। कभी सुहागिनों ने बदली में छुपे हुए चांद को अपने पति की शक्ल में निहारा है। प्रेम में रत प्रेमियों ने प्रेमिकाओं को चांद के साथ सितारे तोडऩे की बात कही है। ये चांद वैज्ञानिकों के लिए एक ग्रह है। यही चन्द्रमा ज्योतिषियों के लिए गणनाओं का विषय है। यह चांद वैज्ञानिकों, दार्शनिकों, कवियों तथा शायरों के लिए भी अलग-अलग अभिव्यक्ति का कारण है। चांद की चांदनी, रोशनी तथा शीतलता की चर्चा भी हमारी बातचीत में अक्सर होती रहती है। प्रत्येक कृष्ण पक्ष तथा शुक्ल पक्ष की घटती-बढ़ती कलाओं में चंद्रमा की हर स्थिति को देखा जाता है। इस्लाम में चांद देखने पर ही इमाम ईद की घोषणा करते हैं। पूर्णिमा का चन्द्रमा, दूज का चांद, तीज का चांद, चौदहवीं का चांद, ईद का चांद, करवा चौथ का चांद तथा कलंकिनी चौथ का चांद भी सारी दुनिया में चर्चित रहता है। चांद को देख कर कभी व्रत रखे जाते हैं, कभी तोड़े जाते हैं, कभी आदमी के शायराना अंदाज ने चांद को कभी महबूब और महबूबा के रौशन चेहरे की तरह देखा है, कभी चांद के अंगड़ाइयां लेने की कल्पना की है। वैज्ञानिकों ने बताया कि चांद सौर परिवार का एक खगोलीय पिंड है। यह सब होने के बाद वर्षों पहले नील आर्मस्ट्रांग ने चन्द्रमा को जानने की जिज्ञासा में पहली बार उसकी सतह पर पांव रखा था। भारतीय अंतरिक्ष वैज्ञानिक राकेश शर्मा ने चांद पर जाकर तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी को 'सारे जहां से अच्छा हिंदुस्तान हमारा' बताया था।

चांद पर पानी तथा वायुमंडल के अभाव में अभी तक जीवन नहीं बसाया जा सकता है। आज पूरी दुनिया में चंद्रमा पर शोध और खोज कार्य चल रहे हैं। अभी कुछ समय पूर्व इसरो यानी इंटरनैशनल स्पेस रिसर्च आर्गेनाइजेशन ने 14 जुलाई को चंद्रयान-3 लांचिंग की। चांद पर जीवन की संभावनाओं का पता लगाने के उद्देश्य से शोध के लिए अनेकों यान भेजे जा चुके हैं। कई बार चन्द्रमा की उबड़-खाबड़ धरती तथा उस पर पानी होने के चित्र प्राप्त हुए हैं, लेकिन अभी भी अनगिनत रहस्य लेकर यह चांद सबके लिए जिज्ञासा तथा उत्सुकता का विषय बन चुका है। आलमगीर खान का एक शे'र याद आ रहा है, 'अच्छी सूरत भी क्या बुरी शय है, जिसने डाली बुरी नजर डाली'। इनसान की फितरत तो देखिए, जहां भी कोमल, शीतल, सुन्दर तथा आकर्षक वस्तु मिलती है उसे पाने की चेष्टा करता है। आजकल आदमी शान्त चांद से शरारत कर उसकी जमीन पर घुसपैठ कर रहा है, किसी में हिम्मत हो तो सूरज की ओर देखने की गुस्ताखी तो करे? मनुष्य की इस कल्पना के आगे जाकर इसरो के वैज्ञानिकों ने सूर्य का अध्ययन करने के लिए आदित्य एल-1 मिशन प्रक्षेपित करने की तैयारी शुरू कर दी है। सूर्य का अध्ययन करने वाली यह पहली अंतरिक्ष आधारित भारतीय वेधशाला होगी। मिशन चंद्रयान की बड़ी सफलता के कुछ घण्टों के बाद ही भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन के प्रमुख ने इसे सितम्बर माह में सतीश धवन स्पेस सेंटर से छोडऩे की घोषणा की। सूर्य का अध्ययन करने वाला यह भारतीय मिशन होगा।

इस मिशन में अंतरिक्ष यान को लग्रांज बिन्दु-1 के चारों ओर एक प्रभामंडल कक्षा में रखा जाएगा जो पृथ्वी से लगभग 1.5 मिलियन किलोमीटर दूर है। आजकल चांद पर भी जमीन के सौदे हो रहे हैं। कई अमीर घरानों के लोग जमीन खरीद कर अपनी बेटी, पत्नी या किसी खास अपने सगे को उपहार के रूप में भेंट कर रहे हैं। यह हैरत भरी खरीददारी का शौक हिमाचल प्रदेश में भी पहुंच चुका है। अभी हमीरपुर तथा नादौन के दो लोगों ने चांद पर जमीन की रजिस्ट्री तक बनवा ली है। इससे पूर्व भी विख्यात अभिनेता शाहरुख खान तथा सुशांत सिंह राजपूत ने भी चन्द्रमा पर जमीन खरीदी है। यह सुनकर किसी साधारण तथा गरीब आदमी ने जब हैरानी से पूछा, 'सुना है चांद पर लोग जमीन खरीद रहे हैं, कितनी कीमत होगी?' तो जवाब मिला, 'कीमत कोई ज्यादा नहीं, बस आने-जाने का ही खर्चा होगा'। हालांकि इंटरनेशनल आऊटर स्पेस ट्रीटी 1967 के कानून के अनुसार कोई भी व्यक्ति तथा देश किसी ग्रह तथा चन्द्रमा पर स्वामित्व का दावा नहीं कर सकता।

चांद पर जमीन खरीदना तथा बेचना गैर कानूनी है। बावजूद इसके लूना सोसायटी इंटरनेशनल तथा इंटरनेशनल लूनार जैसी कम्पनियां चांद पर जमीन बेचने का दावा करती हैं। लूनर रजिस्ट्री कॉम के अनुसार चांद पर एक एकड़ जमीन की कीमत 37.50 अमरीकी डॉलर यानी लगभग 3112 रुपए है। कम कीमत होने के कारण लोग अपनी भावनाओं तथा अपने प्रियजन के प्रति प्रेम प्रदर्शित करने के लिए इस रजिस्ट्री के बारे में अधिक नहीं सोचते, हालांकि यह महज कागज का एक टुकड़ा खरीदने की ही कीमत होती है। बहरहाल, अनन्त काल से मनुष्य की कल्पनाओं को साकार करते हुए भारतवर्ष ने 23 अगस्त 2023 को शाम 6 बजकर चार मिनट पर अपने तीसरे प्रयास में चंद्रयान -3 दक्षिणी ध्रुव पर उतार कर दुनिया में इतिहास रच दिया। चांद के दक्षिणी ध्रुव पर सुरक्षित एवं सॉफ्ट लैंडिंग करवाने वाला भारत मून मिशन चंद्रयान-3 दुनिया का पहला देश बन चुका है। अब वैज्ञानिकों को भारतीय धारणा के अनुरूप चन्दा मामा के यहां आना-जाना तथा छिपे हुए रहस्यों को जानने के लिए आसान हो जाएगा। पूर्व पन्द्रह वर्षों में भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संस्थान द्वारा यह निरन्तर तीसरा प्रयास था। वर्ष 2008 में चंद्रयान -1 के प्रक्षेपण के पश्चात 22 जुलाई, 2019 को श्री हरिकोटा से लॉन्च किया गया था, लेकिन इस मिशन को छह सितम्बर 2019 को अपने अंतिम अवतरण तक त्रुटिहीन रूप में आगे बढऩे पर सफलता नहीं मिल पाई। चंद्रयान-3 पिछली इन सफलताओं तथा असफलताओं की निरंतर सीख का ही परिणाम है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने खुशी व्यक्त करते हुए वैज्ञानिकों को तुरंत बधाई देते हुए उनका मनोबल बढ़ाया। अब इस सफल प्रयास के बाद भारतीय वैज्ञानिकों के हौसले बुलंद हो चुके हैं तथा सूर्य, शुक्र और मंगल पर अगले मिशन की चर्चा प्रारंभ हो गई है।

प्रो. सुरेश शर्मा

नंग बड़े परमेश्वर से

न जाने आजकल मुझे क्या हो गया है? पिछले कुछ दिनों से जब से मैंने सदन की कार्यवाही और ख़बरिया चैनलों को नियमित देखना आरम्भ किया है, मैं रात के आखिरी पहर में आने वाले सपनों में अपने आपको निर्वस्त्र पाता हूं। बात बिस्तर तक होती तो ठीक था। मैं सपनों में अक्सर इसी हालत में देश भ्रमण पर निकल जाता हूं। दादी कहती थीं कि सुबह के सपने सच्चे होते हैं। एक कहावत है 'नंग बड़े परमेश्वर से।' पर पता नहीं इस घोर कलियुग में भी क्यों लोग नंगों को देखते ही विपरीत दिशा में भागना शुरू कर देते हैं। हाल ही में छत्तीसगढ़ राज्य में अनुसूचित जनजाति के फजऱी प्रमाणपत्र पर सरकारी नौकरी हासिल करने वालों के विरुद्ध कार्रवाई की मांग करने वाले युवाओं पर राज्य सरकार द्वारा ध्यान न दिए जाने से नाराज़ होकर जब उन्होंने निर्वस्त्र होकर भागना शुरू किया तो पुलिस उन्हें पकडऩे के लिए उनके पीछे भागने लगी। मुझे लगा कि विरोधस्वरूप निर्वस्त्र भागने वाले युवाओं को पकडऩे के लिए सालों पहले शर्मो-हया तजने वाली पुलिस का व्यवहार उचित नहीं। एक नंगा दूसरे नंगे को पकडऩे के लिए उसके पीछे कैसे दौड़ सकता है। वह भी तब जब पुलिस धर्म और मर्यादा के वस्त्र तजने वालों को पकडऩे की बजाय उन्हें संरक्षण प्रदान कर रही हो। फिर सोचा पुलिस भारतीय दंड संहिता और संविधान के मद्देनजऱ काम करती है। शायद उसी की किसी धारा या अधिनियम के तहत व्यवस्था होगी। नहीं तो जो संस्था सत्ता के तलवे चाटते हुए ख़ुद निर्वस्त्र हो चुकी हो, वह दूसरे निर्वस्त्र के पीछे उसे पकडऩे के लिए कैसे भाग सकती है। इधर, पता नहीं क्यों दिन में दस बार डिज़ायनर ड्रैस बदलने वाले परिधानमंत्री मुझे शुरू से ही निर्वस्त्र नजऱ आते थे। पहले-पहल लगता था कि यह मेरा मति भ्रम है। मैं इलाज के लिए मनोवैज्ञानिक के पास जाने का मन बना रहा था। लेकिन संकोच था कि उसे कैसे बताऊंगा कि मैं सपनों में अपने आपको नंगा पाता हूं।

ग़ालिब चचा ज़मीर को लेकर कहे गए शे'र में आईने पर पड़ी धूल को साफ करने की बात करते हैं। मुझे ध्यान नहीं आता कि उन्होंने कभी अपने उरियां (निर्वस्त्र) होने की बात की हो। पर हाल ही में जब परिधानमंत्री को संसद की सीढियों पर तीन महीने से गृह युद्ध की आग में झुलस रहे मणिपुर में बलात्कार पीड़ितों की नग्न परेड की घटना पर ख़बरिया चैनलों पर कन्नी काट बयान देते हुए सुना तो मेरा शक यक़ीन में बदल गया। सावन महीने की डबल बधाई देते हुए परिधानमंत्री ने जब केवल एक बार ही मणिपुर का नाम लिया तो लगा कि दिन में दस बार कपड़े बदलने के बावजूद कोई नंग लोकतंत्र के मन्दिर से बड़ा हो गया है। उसी दिन पैरोल पर छूटे नामसिद्ध संत काम लहीम और बलात्कारों के आरोपी भाजपा सांसद तथा नंगई के अग्र ध्वजवाहक खरदूषण को जमानत मिलने पर लगा कि अब समाज में भयमुक्त होकर नंगई की जा सकती है। आर्यावर्त ने बरसों के सतत अभ्यास से 'करत-करत अभ्यास के जड़मति होत सुजान। रसरी आवत-जात ते सिल पर परत निशान।।' को चरितार्थ करते हुए नंगई के मामले में विश्वगुरु का ताज पहन लिया है। मुझे पूरा यक़ीन है कि अब मैं अकेला नहीं। परिधानमंत्री के सैट किए नैरेटिव पर जैसे ही उनके मंत्रियों, सांसदो, अंधभक्तों और गोदी मीडिया को थूक चाटते या थूक कर चाटते देखता हूं, मन मुदित हो उठता है। आईना साबुत रहे या उसके सौ टुकड़े हो जाएं, मैं कहीं भी अकेला नजऱ नहीं आऊंगा। पर नंगों की दिन पर दिन बढ़ती भीड़ में अपने आप को बनाए रखना टेढ़ी खीर है। प्रतियोगिता गला काट है। इस प्रतियोगिता को बढ़ावा देने के लिए हर शाम नौ बजे ख़बरिया चैनलों में आयोजित होने वाली मुर्गों की लड़ाई (प्राईम टाईम) में सत्ताई और विपक्षी प्रवक्ताओं के अलावा जब कथित बुद्धिजीवियों को भाग लेते देखता हूं तो लगता है कि अब राष्ट्र को निर्वस्त्र घोषित करने का समय आ चुका है।

कर्ज में डूबी कंपनी फ्यूचर कंज्यूमर लिमिटेड ने हाथ से निकला डेयरी कारोबार, 67 करोड़ में बिक गई नीलगिरी डेयरी फर्म

कर्ज में डूबी फ्यूचर कंज्यूमर लिमिटेड ने मंगलवार को अपने डेयरी कारोबार 'नीलगिरि डेयरी फार्म' को 67 करोड़ रुपये में बेचने की घोषणा की। फ्यूचर कंज्यूमर ने नीलगिरि डेयरी फार्म प्राइवेट लिमिटेड (एनडीएफपीएल) के संपूर्ण कारोबार को बेचने के लिए एवीए चोलायिल हेल्थकेयर के साथ एक हस्तांतरण समझौता किया है।

नयी दिल्ली: कर्ज में डूबी फ्यूचर कंज्यूमर लिमिटेड ने मंगलवार को अपने डेयरी कारोबार 'नीलगिरि डेयरी फार्म' को 67 करोड़ रुपये में बेचने की घोषणा की। फ्यूचर कंज्यूमर ने नीलगिरि डेयरी फार्म प्राइवेट लिमिटेड (एनडीएफपीएल) के संपूर्ण कारोबार को बेचने के लिए एवीए चोलायिल हेल्थकेयर के साथ एक हस्तांतरण समझौता किया है।

इस सौदे में डेयरी फार्म के फ्रेंचाइजी संचालन, खुदरा कारोबार परिचालन और उसके विभिन्न उत्पादों की सोर्सिंग, प्रसंस्करण, पैकेजिंग और विपणन शामिल है।

इस संबंध में फ्यूचर कंज्यूमर के बोर्ड ने मंगलवार को हुई एक बैठक में एनडीएफपीएल व्यवसाय को एवीए चोलायिल हेल्थकेयर को बेचने की मंजूरी दी। सौदे के तहत 67 करोड़ रुपये की खरीद राशि का भुगतान तीन किस्तों में किया जाएगा।

'मेरी बहनों का जीवन और भी होगा आसान'

घरेलू LPG गैस सिलेंडर के दामों में कटौती पर बोले पीएम

रक्षाबंधन के पर्व से पहले केंद्र सरकार ने आम आदमी को बड़ी राहत दी है। सरकार ने घरेलू एलपीजी सिलेंडर की कीमतों में 200 रुपये की कटौती की है। इस बीच पीएम मोदी ने घरेलू एलपीजी सिलेंडर की कीमतों को लेकर सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म X (पूर्व ट्विटर) पर पोस्ट किया। पीएम मोदी ने कहा कि सिलेंडर की कीमत कम होने से बहनों को सहूलियत होगी।

नई दिल्ली। रक्षाबंधन के पर्व से पहले केंद्र सरकार ने आम आदमी को बड़ी राहत दी है। सरकार ने घरेलू एलपीजी सिलेंडर (LPG Cylinder) की कीमतों में 200 रुपये की कटौती की है। इस बीच पीएम मोदी (PM Modi) ने घरेलू एलपीजी सिलेंडर की कीमतों को लेकर सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म X (पूर्व ट्विटर) पर पोस्ट किया। पीएम मोदी ने कहा कि सिलेंडर की कीमत कम होने से बहनों को सहूलियत होगी।

मेरी बहनों का जीवन और आसान होगा- पीएम मोदी

पीएम मोदी ने लिखा, 'रक्षाबंधन का पर्व अपने परिवार में खुशियां बढ़ाने का दिन होता है। गैस की कीमतों में कटौती होने से मेरे परिवार की बहनों की सहूलियत बढ़ेगी और उनका जीवन और आसान होगा। मेरी हर बहन खुश रहे, स्वस्थ रहे, सुखी रहे, ईश्वर से यही कामना है।

जेपी नड्डा ने पीएम मोदी का जताया आभार

वहीं, बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने सरकार के फैसले पर खुशी जताई। उन्होंने X पर पोस्ट करते हुए पीएम मोदी का आभार जताया।

नड्डा ने कहा, 'प्रधानमंत्री मोदी की अध्यक्षता में आज कैबिनेट द्वारा रसोई गैस की क़ीमत में भारी कटौती का निर्णय लेने के लिए हृदय से आभार। अब उज्जवला लाभार्थियों को रसोई गैस 700 रुपये में और अन्य सभी उपभोक्ताओं को रसोई गैस अब 900 रुपये में मिलेगी। उन्होंने आगे लिखा कि रक्षाबंधन के पावन अवसर पर हमारी नारी शक्ति को पीएम मोदी का उपहार। उनके इस निर्णय से देशभर में 33 करोड़ उपभोक्ता लाभान्वित होंगे।

केंद्र सरकार ने रक्षाबंधन से पहले जनता को दिया तोहफा

बता दें कि केंद्र सरकार ने मंगलवार को महंगाई से लोगों को राहत देते हुए घरों में इस्तेमाल होने वाले रसोई गैस सिलेंडर (LPG) के दाम 200 रुपये घटाने की घोषणा की है। इसके अलावा सरकार उज्ज्वला योजना के तहत मुफ्त में 75 लाख नए एलपीजी कनेक्शन भी देगी। इसके साथ ही अब उज्ज्वला योजना के लाभार्थियों को कुल 400 रुपये की गैस सब्सिडी मिलेगी। उन्हें पहले से 200 रुपये की सब्सिडी मिल रही है।

इनसाइड

देश में फ्लेक्स-फ्यूल से दौड़ेंगी गाड़ियां, जानिए क्या होता है ये, क्या हैं इसके फायदे

भारत सरकार आत्मनिर्भर बनने की योजना के तहत वैकल्पिक फ्यूल को बढ़ावा देने पर काम कर रही है। फ्लेक्स-फ्यूल पेट्रोल और डीजल के ऑप्शन के रूप में देखा जा रहा है और इसे गैसोलीन और मेथनॉल या इथेनॉल के साथ मिलाकर तैयार किया जाता है। इससे पेट्रोल का उपयोग कम होगा और कॉस्ट कटिंग में मदद मिलेगी। भारत में फ्लेक्स फ्यूल इंजन को बढ़ावा देने के लिए एथेनाल को ज्यादा से ज्यादा बढ़ाया जा रहा है। इससे पेट्रोल और डीजल के इंपोर्ट को कम किया जा सकेगा।

नई दिल्ली: भारत सरकार आत्मनिर्भर बनने की योजना पर काम कर रही है। इसीलिए सरकार अब वैकल्पिक फ्यूल को बढ़ावा दे रही है। इस समय फ्लेक्स-फ्यूल (Flex Fuel) को पेट्रोल और डीजल दोनों के ऑप्शन के रूप में देखा जा रहा है। इसे गैसोलीन और मेथनॉल या इथेनॉल के साथ मिलाकर तैयार किया जाता है। इस तरह के फ्यूल से पेट्रोल का इस्तेमाल कम होता है। जिससे कॉस्ट कटिंग में मदद मिलेगी। इस समय दुनिया के कई देशों में फ्लेक्स फ्यूल इंजन काफी लोकप्रिय है। भारत एथेनाल का पांचवा सबसे बड़ा उत्पादक है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, सरकार अब पेट्रोल में 20 फीसदी वाले एथेनाल मिक्स को 2025 तक देशभर में उपलब्ध कराने वाली है। इसी वजह से फ्लेक्स फ्यूल में एथेनाल को ज्यादा से ज्यादा बढ़ावा दिया जा रहा है, जिससे भारत में पेट्रोल और डीजल के इंपोर्ट को कम किया जा सके। बता दें कि फ्लेक्स फ्यूल वाली गाड़ियां 100 फीसदी पेट्रोल या 10 फीसदी बायो-एथेनाल व उनके ब्लेंड्स की मदद से चलती हैं। अब देश की पहली ऐसी कार टोयोटा मोटर की ओर से पेश कर दी गई है जो पूरी तरह से वैकल्पिक ईंधन इथेनॉल पर चल सकती है। इसे आज केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी की अध्यक्षता में एक कार्यक्रम में आधिकारिक तौर पर लॉन्च किया गया है। बता दें कि जैव ईंधन या वैकल्पिक स्वच्छ ईंधन के लिए भारत के प्रयास ने पिछले साल रफ्तार पकड़ी है। केंद्र ने 20 प्रतिशत इथेनॉल के साथ मिश्रित पेट्रोल को बाजार में उतारा है। फ्लेक्स फ्यूल या वैकल्पिक ईंधन से सरकार को कच्चे तेल के महंगे आयात को कम करने में मदद मिलेगी। इस फ्लेक्स फ्यूल की शुरुआत का मकसद प्रदूषण को कम करना भी है। बता दें कि फ्लेक्स फ्यूल की तकनीक नई नहीं है। इसे 1990 के दशक की शुरुआत में विकसित किया गया था। एक्सपर्ट्स के मुताबिक, फ्लेक्स फ्यूल से कुछ फायदे तो कुछ नुकसान भी हैं। इसका सबसे बड़ा फायदा यह है कि इससे कार्बन का उत्सर्जन कम होता है। इसके चलते प्रदूषण कम होता है। इसी के साथ फ्यूल का खर्च कम होता है और इंजन लंबे समय तक चलता है। इससे गाड़ियों का परफार्मेंस भी बेहतर होता है। वहीं नुकसान की बात करें तो इससे माइलेज थोड़ा प्रभावित हो सकता है। इससे बड़ा नुकसान ये है कि फ्लेक्स फ्यूल बनाने के लिए इस्तेमाल किए गए क्रॉप का कहीं और इस्तेमाल नहीं किया जा सकता है।

रक्षाबंधन से पहले चढ़ा सोने का भाव, चांदी की चमक भी हुई तेजी, बहन को देना चाहते हैं गोल्ड का गिफ्ट तो पहले कीमत कर लें चेक

रक्षाबंधन से पहले सोने और चांदी की कीमतें बढ़ गई हैं। सोना 59,800 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ है और चांदी 77,100 रुपये प्रति किलोग्राम पर पहुंच गई है। विदेशी बाजारों से सकारात्मक संकेत मिलने के बाद दिल्ली बाजार में सोने की कीमतें बढ़ गई हैं। अमेरिकी मुद्रास्फीति और नौकरियों के आंकड़ों के कारण सोने और चांदी की कीमतों में बढ़ोतरी हुई है।

नई दिल्ली। त्योहारों के शुरुआत के साथ ही सोने की कीमत में तेजी लौट आई है। रक्षाबंधन से पहले सोने के दाम चढ़ गए। सोने के साथ-साथ चांदी ने भी रंग दिखाना शुरू कर दिया है। सोने की कीमत जहां 60 हजार रुपये प्रति 10 ग्राम के करीब पहुंच गया है तो वहीं चांदी की कीमत 77000 रुपये प्रति किलोग्राम के पास पहुंच चुकी है। वैश्विक बाजारों में बहुमूल्य धातुओं की कीमतों में मजबूती के रुख के बीच राष्ट्रीय राजधानी के सर्राफा बाजार में मंगलवार को सोना 250 रुपये की बढ़त के साथ 59,800 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ। एचडीएफसी सिक्योरिटीज ने यह जानकारी दी। पिछले कारोबारी सत्र में सोना 59,550 रुपये प्रति 10 ग्राम के भाव पर बंद हुआ था।

चांदी की कीमत में भी तेजी

चांदी की कीमत भी 600 रुपये के उछाल के साथ 77,100 रुपये प्रति किलोग्राम पर पहुंच गई। एचडीएफसी सिक्योरिटीज के वरिष्ठ विश्लेषक (जिंस) सौमिल गांधी ने कहा कि मंगलवार को सोने में तेजी आई और विदेशी बाजारों से सकारात्मक संकेत मिलने के बाद दिल्ली बाजार में सोने की हाजिर कीमतें 250 रुपये की तेजी के साथ 59,800 रुपये प्रति 10 ग्राम पर कारोबार कर रही थीं।

वैश्विक बाजार में सोने की कीमत

अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोना तेजी के साथ 1,924 डॉलर प्रति औंस हो गया। चांदी की कीमत भी बढ़कर 24.25 डॉलर प्रति औंस हो गयी। मोतीलाल ओसवाल फाइनेंशियल सर्विसेज के जिंस शोध विभाग के वरिष्ठ उपाध्यक्ष, नवनीत दमानी ने कहा, "इस सप्ताह महत्वपूर्ण अमेरिकी मुद्रास्फीति और नौकरियों के आंकड़ों से पहले डॉलर और ट्रेजरी आय के हाल के उच्चस्तर से नीचे आने के कारण सोने और चांदी की कीमतों में बढ़ोतरी जारी है।"

खुद को साबित नहीं, खोजने की कोशिश करो...कोटा में पढ़ने वाले हर बच्चे को आनंद महिंद्रा की ये

राजस्थान के कोटा में छात्रों के आत्महत्या के मामले ने कारोबारी आनंद महिंद्रा को चिंतित किया है। महिंद्रा ने ट्विटर पर कोटा के छात्रों को सलाह दी है। उन्होंने कहा है कि छात्रों को अपने आप को खोजना चाहिए। उन्होंने कहा है कि परीक्षा में सफलता नहीं मिलने से यह मतलब नहीं कि छात्र अमीर हैं, उनके लिए और भी कुछ है। जिंदगी अनमोल है और उसे हार कर खत्म कर देना सही नहीं है।

नई दिल्ली: राजस्थान के कोटा में छात्रों के आत्महत्या का मामला आज देशभर में चर्चा का मुद्दा बन गया है। लोग हैरान है कि आखिर कोटा में ऐसा क्यों हो रहा है? जो छात्र वहां अपना करियर बनाने जाते हैं, आखिर वो मौत को क्यों गले लगा रहे हैं? कोटा में छात्रों के बढ़ते आत्महत्या के मामलों ने कारोबारी आनंद महिंद्रा (Anand Mahindra) को भी परेशान कर दिया है। महिंद्रा एंड महिंद्रा के चेयरमैन आनंद महिंद्रा ने एक्स (ट्विटर) पर कोटा को लेकर चिंता जाहिर करने के साथ ही छात्रों को बहुत ही अच्छी सलाह दी है। सिर्फ कोटा ही नहीं हर छात्र को महिंद्रा की इस सलाह को समझना चाहिए।

खुद को साबित करने के बजाए खुद को खोजने की कोशिश करो

आनंद महिंद्रा ने कोटा में पढ़ रहे बच्चों को अपने तनाव को कम करने के लिए उन्हें एक सलाह दी है। उन्होंन लिखा कि कोटा में बढ़ते आत्महत्या से वो चिंतित है। आनंद महिंद्रा ने बच्चों के लिए जो बातें लिखी, वो कोटा ही नहीं देश की किसी भी शहर, गांव, कस्बे में रहने वाले बच्चों को पढ़नी चाहिए। आनंद महिंद्रा ने लिखा कि जिंदगी के इस पड़ाव पर छात्रों का लक्ष्य खुद को साबित करना नहीं बल्कि खुद को खोजना होना चाहिए। उन्होंने प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे छात्रों को खुद को साबित करने के बजाए खुद को खोजने की सलाह दी है। महिंद्रा लिखते हैं कि अगर आप एक परीक्षा में सफल नहीं होते तो समझ लीजिए कि आपकी असली प्रतिभा कहीं और है। आपको बस अपने आपको खोजते रहते हैं। एक दिन ऐसा आएगा, जब आप खुद को खोज लेंगे। उस दिन आप पाएंगे कि आप वहां सर्वश्रेष्ठ हैं।

जो सफल नहीं होते, उनके लिए कुछ और बना है

सही भी है, अगर आपने खुद को खोज लिया को सफलता खुद आप तक चलकर आएगी। एक्स (ट्विटर) पर एक पोस्ट के जवाब में ये बातें उन्होंने लिखी हैं। उन्होंने लिखा कि इस खबर से मैं भी उतना ही परेशान हूं, जितना आप हैं। देश के इतने सारे उज्ज्वल भविष्यों को ख़त्म होते देखना बेहद दुखद है। जो छात्र परीक्षा में सफल नहीं हो पाते या कम नंबर पाते हैं, इसका मतलब ये नहीं कि वो कमजोर हैं। परीक्षा में सफल न होना आत्म विश्लेषण का एक जरिया बस है। जो वहां सफल नहीं होते, उनके लिए कुछ और बना है। जिंदगी तो अनमोल है, एक बार ही मिलती है, इसे हार कर खत्म कर देना सही नहीं है।

एयर इंडिया को झटका, DGCA ने एयरलाइन की बोइंग सिम्युलेटर ट्रेनिंग पर लगाई रोक

विमान नियामक महानिदेशालय (डीजीसीए) ने एयर इंडिया की बोइंग सिम्युलेटर ट्रेनिंग को अस्थायी रूप से रोक लगा दी है। डीजीसीए दस्तावेजों की जांच कर रहा है और जांच के बाद ही फैसला लेगा कि सिम्युलेटर प्रशिक्षण को बहाल किया जाएगा या नहीं। एयर इंडिया के बेड़े में बोइंग 777 और बोइंग 787 ड्रीमलाइनर विमान शामिल हैं और इन विमानों के पायलटों को सिम्युलेटर प्रशिक्षण की आवश्यकता होती है। डीजीसीए की दो-सदस्यीय निरीक्षण टीम की रिपोर्ट के आधार पर यह कार्रवाई की गई है।

नई दिल्ली: एयर इंडिया को विमान नियामक महानिदेशालय (डीजीसीए) ने झटका दिया है। डीजीसीए ने एयर इंडिया की बोइंग सिम्युलेटर ट्रेनिंग पर अस्थाई रोक लगा दिया है। कुछ खामियों के कारण एयर इंडिया की बोइंग सिम्युलेटर प्रशिक्षण सुविधा को अस्थायी तौर पर रोक दिया गया है। खबरों की माने तो डीजीसीए कुछ दस्तावेजों का सत्यापन कर रहा है। इस जांच के बाद वो ट्रेनिंग से रोक हटा सकता है

क्या है पूरा मामला

विमानन क्षेत्र के नियामक डीजीसीए ने कुछ खामियों की वजह से एयर इंडिया कर बोइंग सिम्युलेटर प्रशिक्षण सुविधा पर अस्थायी रूप से रोक लगा दी है। एक सूत्र ने मंगलवार को यह जानकारी दी। सूत्र के मुताबिक, नागर विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) इस मामले से जुड़े कुछ दस्तावेजों का सत्यापन कर रहा है और यह काम पूरा होने के बाद सिम्युलेटर प्रशिक्षण सुविधा बहाल करने के बारे में कोई फैसला लेगा।

एयर इंडिया के बेड़े में चौड़े आकार वाले बोइंग 777 और बोइंग 787 ड्रीमलाइनर विमान शामिल हैं। अपने पायलटों को इन विमानों को उड़ाने का विधिवत प्रशिक्षण देने के लिए एयरलाइन बोइंग सिम्युलेटर सुविधा का इस्तेमाल करती है। सूत्र ने कहा, "डीजीसीए ने अस्थायी तौर पर एयर इंडिया की बोइंग सिम्युलेटर प्रशिक्षण सुविधा को कुछ खामियों की वजह से निलंबित कर दिया है। नियामक इस मामले से संबंधित कुछ दस्तावेजों का सत्यापन कर रहा है।"

इस बारे में संपर्क किए जाने पर एयर इंडिया के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि डीजीसीए नियमित रूप से एयरलाइन के कामकाज की समीक्षा करता रहता है। हालांकि, उन्होंने इस निर्णय के बारे में कोई ब्योरा नहीं दिया। एयर इंडिया के खिलाफ यह कार्रवाई डीजीसीए की दो-सदस्यीय निरीक्षण टीम की रिपोर्ट आने के बाद की गई है। निरीक्षण टीम ने एयरलाइन की आंतरिक सुरक्षा ऑडिट रिपोर्ट में खामियां पाई थीं जिसके बाद मामले की जांच शुरू की गई। डीजीसीए को सौंपी गई रिपोर्ट के मुताबिक, एयर इंडिया ने केबिन निगरानी, सामान ढुलाई और बोझ वहन जैसे कई

'हैलो धरतीवासियों, जल्द ही सबसे अच्छी जानकारी मिलने वाली है...', चंद्रयान-3 के प्रज्ञान रोवर ने भेजा

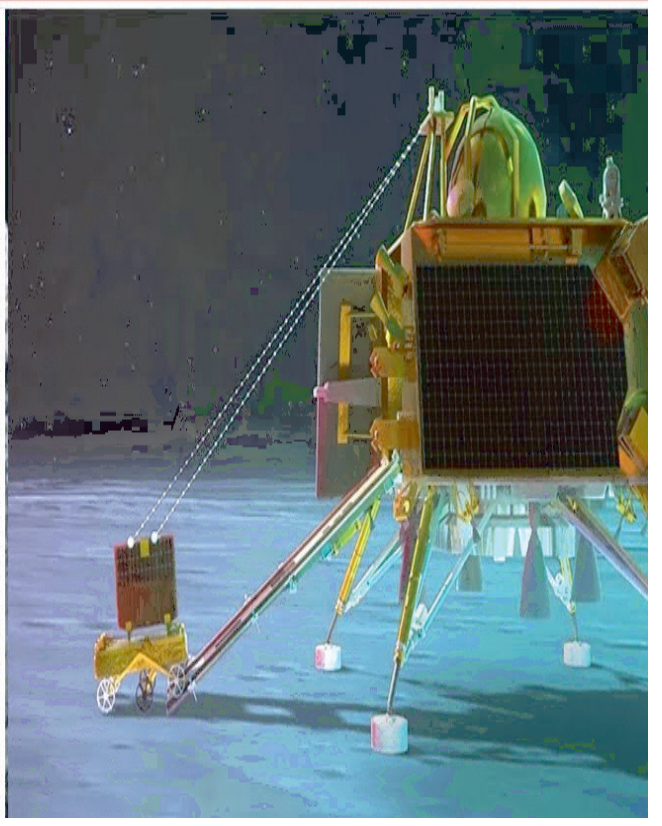

पारवहन विशेष न्यूज

चंद्रयान-3 के प्रज्ञान रोवर ने धरती पर नया संदेश भेजा है। उसने कहा है कि जल्द ही कुछ नई जानकारी सामने आने वाली है। वह चंद्रम पर रहस्यों को खोजने के लिए आगे बढ़ रहा है। बता दें कि इसरो के चंद्रयान-3 मिशन में कई रहस्यों से पर्दा उठाना है। इसमें पानी के बारे में पता लगाना महत्वपूर्ण है।

नई दिल्ली। इसरो ने मंगलवार को चंद्रयान-3 मिशन पर नया अपडेट दिया है। इसरो ने बताया कि चंद्रयान-3 के प्रज्ञान रोवर सही तरह से काम कर रहा है और अपने लक्ष्य की ओर आगे बढ़ रहा है। प्रज्ञान रोवर चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर घूम रहा है और वहां से नई जानकारी जुटा रहा है।

नई जानकारी जुटा रहा प्रज्ञान रोवर

इसरो ने बताया कि रोवर अब चंद्रमा पर रहस्यों का पता लगाने में जुटा है। साथ ही उसने वहां से धरतीवासियों के लिए खास संदेश भी भेजा है। उसने बताया कि जल्द ही कुछ नई जानकारी सामने आने वाली है।

धरती के लिए रोवर ने भेजा खास संदेश

इसरो के चंद्रयान-3 ने एक्स (पहले ट्विटर) पर पोस्ट किया,

हैलो पृथ्वीवासियों, यह चंद्रयान-3 का प्रज्ञान रोवर है। मैं आशा करता हूं कि आप अच्छे होंगे। मैं आपको बताना चाहूंगा कि मैं चंद्रमा पर रहस्यों के बारे में पता लगाने के लिए आगे बढ़ रहा हूं। मैं अपने दोस्त विक्रम लैंडर से संपर्क में हूं। हमारी कंडीशन ठीक है। जल्द ही कुछ अच्छी जानकारी आनेवाली है।

प्रज्ञान रोवर को दिखा था गड्ढा

प्रज्ञान रोवर अपने तय लक्ष्य के अनुसार, चांद पर आगे बढ़ रहा है और वहां से इसरो के वैज्ञानिकों को अपडेट भेज रहा है। हालांकि, रविवार (27 अगस्त) को प्रज्ञान रोवर के रास्ते में एक रुकावट आ गई थी। इसरो ने बताया कि रविवार को रोवर के सामने करीब चार मीटर चौड़ा एक गड्ढा आ गया था।

समय रहते बदला गया था रास्ता

इसरो ने कहा कि प्रज्ञान रोवर गड्ढे से तीन मीटर की दूरी पर था, तभी उसे वहां से लौटने का निर्देश मिला और रोवर दूसरी ओर मुड़ गया। इसके बाद रोवर अब नए रास्ते पर आगे बढ़ रहा है।

चंद्रयान-3 की हुई थी सफल लैंडिंग

बता दें कि 23 अगस्त को चंद्रयान-3 की चंद्रमा पर सफल लैंडिंग हुई थी। चंद्रयान-3 चांद के दक्षिणी ध्रुव पर लैंड किया, जहां अब अगले स्टेप में कई तरह की जानकारी जुटाई जा रही है।

चंद्रयान-3 की सफलता पर कैबिनेट में प्रस्ताव पारित अनुराग बोले- वैज्ञानिकों की मेहनत को विश्व ने सराहा

भारत के चंद्रयान-3 (Chandrayaan-3) की सफलता को लेकर पूरे देश में खुशी का माहौल देखने को मिला। आम हो या खास हर किसी ने चंद्रयान-3 (Chandrayaan-3) की सफलता के लिए इसरो को बधाई। इस बीच केंद्रीय मंत्रिमंडल ने चंद्रयान-3 को लेकर एक प्रस्ताव पारित किया है। केंद्रीय मंत्रिमंडल ने ये प्रस्ताव चंद्रयान-3 के चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर सॉफ्ट लैंडिंग की सराहना करते हुए पारित किया है।

नई दिल्ली। भारत के चंद्रयान-3 की सफलता को लेकर पूरे देश में खुशी का माहौल देखने को मिला। आम हो या खास हर किसी ने चंद्रयान-3 की सफलता के लिए इसरो को बधाई। इस बीच केंद्रीय मंत्रिमंडल ने चंद्रयान-3 को लेकर एक प्रस्ताव पारित किया है। केंद्रीय मंत्रिमंडल ने ये प्रस्ताव चंद्रयान-3 के चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर सॉफ्ट लैंडिंग की सराहना करते हुए पारित किया है।

चंद्रयान-3 की सफलता को लेकर केंद्रीय मंत्रिमंडल में प्रस्ताव पारित

केंद्रीय मंत्रिमंडल ने चंद्रयान-3 की सॉफ्ट लैंडिंग की सराहना की और इस मिशन की सफलता के लिए इसरो को बधाई दी है। उन्होंने कहा कि चंद्रयान-3 की सफलता न केवल इसरो के लिए बड़ी कामयाबी है बल्कि वैश्विक मंच पर भारत की ताकत का प्रतीक है।

कैबिनेट ने वैज्ञानिकों की सफलता को सराहा- अनुराग

केंद्रीय कैबिनेट ब्रीफिंग के दौरान केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर ने बताया कि पूरा देश चंद्रयान-3 की सफलता का जश्न मना रहा है। इसलिए कैबिनेट ने भारतीय वैज्ञानिकों की इस ऐतिहासिक उपलब्धि की सराहना की है और इसे लेकर एक प्रस्ताव भी पारित किया है। उन्होंने कहा कि भारत चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर उतरने वाला दुनिया का पहला देश बन गया है, जो हमारे वैज्ञानिकों की बड़ी कामयाबी है।

'वैज्ञानिकों ने चुनौतियों के बावजूद सफलता हासिल की'

अनुराग ठाकुर ने कहा कि वैज्ञानिकों ने कठिन चुनौतियों का सामना किया और चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर चंद्रयान-3 को सफलतापूर्वक उतारा। यह हमारे वैज्ञानिकों की मेहनत का नतीजा है कि पहली बार दक्षिणी ध्रुव पर सॉफ्ट लैंडिंग की।

सॉफ्ट लैंडिंग पर इसरो को दी बधाई

बता दें कि चंद्रयान-3 को 14 जुलाई को आंध्र प्रदेश के श्रीहरिकोटा से लॉन्च किया गया था। चंद्रयान-3 ने 23 अगस्त को शाम 6:04 बजे चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर सॉफ्ट लैंडिंग की थी। पीएम मोदी से लेकर दुनिया भर के राष्ट्राध्यक्षों ने इसरो को बधाई दी थी।

मणिपुर में नहीं थम रहा हिंसा का दौर; दो गुटों के बीच गोलीबारी में एक व्यक्ति की मौत

मणिपुर के बिष्णुपुर जिले में दो पक्षों के बीच गोलीबारी की खबर सामने आई। पुलिस के मुताबिक दोनों पक्षों के बीच हुई भीषण गोलीबारी में एक व्यक्ति की मौत हो गई है। जबकि एक अन्य घायल हुआ है। घायल को इंफाल के एक अस्पताल में भर्ती कराया गया है। जहां उसका इलाज जारी है और हालत स्थिर बताई जा रही है।

इंफाल। मणिपुर में पिछले कई महीनों जारी हिंसा अभी भी थमने का नाम नहीं ले रही है। मंगलवार को राज्य के बिष्णुपुर जिले के नारायणसेना ने दो पक्षों के बीच गोलीबारी की खबर सामने आई। पुलिस के मुताबिक, दोनों पक्षों के बीच हुई भीषण गोलीबारी में एक व्यक्ति की मौत हो गई है। जबकि एक अन्य गंभीर रूप से घायल हुआ है।

बम धमाके में एक की मौत

आधिकारिक बयानों के मुताबिक राहत शिविर में रह रहे ग्राम रक्षा स्वयंसेवक की अचानक हुए बम धमाके में मौत हुई है, जबकि एक अन्य व्यक्ति के कंधे पर गोली लगी है। घायल को इंफाल के एक अस्पताल में भर्ती कराया गया है। जहां उसका इलाज जारी है और हालत स्थिर बताई जा रही है।

सर्च ऑपरेशन में चार गिरफ्तार

वहीं, मंगलवार को पुलिस द्वारा चलाए गए अलग-अलग अभियानों में कई संगठनों के चार आतंकवादियों को गिरफ्तार किया गया है। उनके पास से हथियार और गोला-बारूद बरामद किए गए हैं। तलाशी अभियान के दौरान, पुलिस ने इंफाल और बिष्णुपुर जिलों से एनएससीएन (आईएम) और पीपुल्स लिबरेशन आर्मी (पीएलए) के एक-एक और कांगलेइपक कम्युनिस्ट पार्टी (केसीपी) (लामयांबा खुमान गुट) के दो ओवरग्राउंड कार्यकर्ताओं को गिरफ्तार किया है।

पुलिस ने हथियार और विस्फोटक किए बरामद

सर्च ऑपरेशन के दौरान पुलिस ने छह हथियार, पांच कारतूस और दो विस्फोटक बरामद किए हैं। सुरक्षा बलों द्वारा घाटी के पांच जिलों के सीमांत और संवेदनशील इलाकों में तलाशी अभियान चलाया गया था।

आम आदमी पार्टी शाहपुरा ने जिला अस्पताल की खराब व्यवस्थाओ को सुधारने के लिऐ जिला मुख्य चिकित्सा अधिकारी को ज्ञापन दिया

अनूप कुमार शर्मा

आम आदमी पार्टी शाहपुरा के नेता पुरण खटीक के नेतुत्व मे कार्यकताओ ने जिला चिकित्सा अधिकारी को ध्यापन के माध्यम से अवगत कराया कि स्टाफ की कमी के कारण जिले का सबसे बडे अस्पताल मे करोडो की सोनोग्राफी मशीन होने के बाद भी सोनोग्राफी मशीन जिला अस्पताल मे स्टाफ की कमी के कारण नही चल रही हे जिससे आमजन को काफी परेशानी हो रही हे सोनाग्राफी लोगो को मजबुरी मे बाहर 1000 हजार रुपऐ देकर करवानी पडती हे आम आदमी पार्टी शाहपुरा ने जिला चिकित्सा अधिकारी से माग कि हे 10 दिन के अन्तराल मे सोनोग्राफी मशीन को चलाने वाले स्टाफ की तत्काल प्रभाव से नियुक्ति कि जाऐ अगर 10 दिन मे नियुक्ति नही कि जाती हे तो आम आदमी पार्टी शाहपुरा एक बडा आन्दोलन करेगी जिसकी जवाबदारी प्रशासन की होगी इस ध्यापन देने वालो मे ब्लोक ईन्चाज भगतराम काबरा, वरिष्ठ कार्यकर्ता अमीन कायमखानी सर्किल इंचार्ज ओमप्रकाश गुर्जर ,सर्कल इंचार्ज लक्ष्मण लाल रेगर ,सर्किल इंचार्ज कादर खान , सर्कल इंचार्ज सत्यनारायण रैगर,रामस्वरूप बैरवा, दिनेश बेरवा ,राज बेरवाआदि कार्यकता शामिल हुऐ।

महावीर इन्टरनेशनल मीरा ने किया 15 उपवास करने वाली बहन का सम्मान

अनूप कुमार शर्मा

भीलवाड़ा । मीरा अध्यक्ष मंजु बापना ने बताया कि आजाद नगर में विराजित जैनमती जी मा.सा., इन्दु प्रभा जी मा.सा., डॉ. चेतना जी मा.सा., डॉ. दर्शन प्रभा जी मा.सा., डॉ. श्री समीक्षा प्रभा जी मा.सा., श्री दीप्तिप्रभा जी मा.सा., श्री हिरलप्रभा जी मा.सा. के सानिध्य में तपस्वी बहन निर्मला जैन की 15 उपवास की तपस्या पर मीरा बहनों द्वारा सुख शाता पूछते हुए उपहरन माला पहनाकर सम्मान किया अन्तर्राष्ट्रीय उपाध्यक्ष मंजू पोखरना का कहना है कि मीरा की बहनें जिन शासन की शान बढ़ाने वाले तपस्वी भाई बहनों की सुख साता पूछते हुए उत्तम स्वास्थ्य की कामना करती है, तप का महत्व सूर्य के प्रकाश जैसा होता है, तपस्या जीव से कर्म को सुखाने वाली साधना है, भगवान महावीर ने मोक्ष के चार मार्ग बताए है। ज्ञान, दर्शन, चारित्र और तप निर्मला जैन ने तपस्या पूर्ण कर जैन समाज को गौरव की अनुभूति करवाई है कार्यक्रम में अन्तर्राष्ट्रीय उपाध्यक्ष मंजु पोखरना, ट्रस्टी बलवीर चौरड़िया, जोन सचिव चन्द्रा रांका, मंजू बापना, जैन संस्कार महिला मंच की राष्ट्रीय अध्यक्ष शकुन्तला बोहरा, स्थानक के उपाध्यक्ष अनिल ढाबरिया, सुशील ढाबरिया, सुशील गोखरू, कौशल कुरडिया, अरिहन्त विकास आदि उपस्थित थे।

श्री बाबाधाम पर सहस्त्रधारा दुग्धाभिषेक व राखी महोत्सव पर उमड़ा जन सैलाब

अनूप कुमार शर्मा

भीलवाड़ा। श्री बाबाधाम के अध्यक्ष विनीत अग्रवाल के सानिध्य में श्री बाबा धाम पर सोमवार प्रदोष के अति शुभ अवसर पर सहस्त्रधारा दुग्धाभिषेक व राखी महोत्सव श्रद्धा एवं उल्लास के साथ मनाया गया।

श्री बाबा धाम मंदिर पर ऋण मुक्तेश्वर गौरी शंकर महादेव का विशेष श्रृंगार किया गया इस स्थान की महिमा ऐसी है कि प्रत्येक गुरुवार को चने की दाल महादेव जी के चढाई जाती है जिससे पितृ ऋण, मातृ ऋण, सखा ऋण से मुक्ति मिलती है। चने की दाल मंदिर की तरफ से निःशुल्क उपलब्ध होती है। भारत देश का यह पहला शिवलिंग है जिसमें श्री शिवजी, माता पार्वती जी, व श्री गणेश जी एक ही शिवलिंग में विद्यमान है।

श्री बाबा धाम पर शिव दरबार को विशेष आकर्षक रंग बिरंगी झिलमिल मनमोहक लाईटिंग, फरियों और फल-फूलों से सजावट की गयी। श्री बाबा धाम मंदिर में सुबह से ही भक्त महादेव की भक्ति में रम गये। पूरे मंदिर प्रांगण में हर हर महादेव भोले बाबा के जयकारें गुंजने लगे। श्री बाबाधाम के पण्डित गौतम गोविन्द द्वारा मंत्रोच्चारण व विधि विधान से पूजा अर्चना प्रारम्भ हुई। सायंकाल 4.15 बजे से 1008 किलो दुध का दुग्धाभिषेक प्रारम्भ हुआ। जो कि सायंकाल 7.15 बजे तक चला इसके अलावा भगवान की बिल्वपत्र, आक के फुल, धतुरा आदि से पूजा की गई जल, दूध, पंचामृत, गन्ने का रस आदि से शिव भगवान का अभिषेक किया गया हजारों भक्तों ने ऋणमुक्तेश्वर गौरी शंकर महादेव के दुग्धाभिषेक के साथ ओम नमः शिवाय, हर हर महादेव की जय घोष के साथ अपनी मनो कामना पूर्ण की। इन सभी भावनाओं के साथ दुग्धाभिषेक किया गया। सभी भक्तों के लिए दुध की व्यवस्था मंदिर प्रांगण में निःशुल्क की गयी। श्री माँ अन्नपूर्णा वैष्णों देवी का भव्य श्रृंगार किया गया। पूरे वर्ष में एक बार ही माँ मंशापूर्ण माताजी के त्रिशुल पर राखी बांधने का अवसर मिलता है एक बार त्रिशुल पर राखी बांधने के लिये श्रद्धालुओं की कतार लगी रही राखी मंदिर ट्रस्ट द्वारा निःशुल्क उपलब्ध की गयी सायंकाल सहस्त्रधारा दुग्धाभिषेक के बाद महाआरती हुई। इस आरती के पश्चात सभी भक्तों को 1008 किलो. दूध का दुग्धाभिषेक का ठण्डाई प्रसाद बांटा गया। सभी सेवादारों के द्वारा सेवाएं दी गयी थी। हजारों भक्तों के आने के बाद भी सभी भक्तजनों को आराम से दर्शन. व सहस्त्रधारा दुग्धाभिषेक आसानी से किया और पुनः मंदिर प्रारंगण में भोले के साथ जय मातादी, जय बाबा बालाजी की, जय बाबा के घोष गुंजे। इस सहस्त्रधारा दुग्धाभिषेक में हजारों भक्तजनों ने पधार कर धर्म का लाभ लिया।

पत्रकार शर्मा भारतीय पत्रकार संघ ए आई जे के जिलाध्यक्ष नियुक्त

अनूप कुमार शर्मा

भीलवाड़ा। भारत वर्ष में पत्रकारों के हित में कार्यरत संगठन एसोसिएशन ऑफ इंडियन जर्नलिस्ट (भारतीय पत्रकार संघ ए आई जे) की जिला इकाई में भीलवाड़ा जिला अध्यक्ष पद पर बागोर निवासी पत्रकार विष्णु विवेक शर्मा को मनोनीत किया गया हैं। ऐ आई जे के प्रदेश महासचिव डॉक्टर चेतन ठठेरा ने बताया की उक्त मनोनयन ए आई जे के प्रदेश अध्यक्ष विवेक पाराशर तथा ए आई जे के राष्ट्रीय अध्यक्ष विक्रम सेन के निर्देश पर किया गया हैं। उच्चस्थ पदाधिकारी इस विश्वास के साथ ही आश्वस्त भी हैं कि ए आई जे के उद्देश्यानुसार पत्रकार जगत के साथियों के हित में पत्रकार शर्मा भी अपने दायित्व का बेहतरीन निर्वहन करते हुए सात दिवस में अपनी जिला स्तरीय कार्यकारिणी का गठन कर प्रपत्र संगठन के उच्चस्थ पदाधिकारियों को प्रेषित करेंगे। प्रदेश महासचिव ठठेरा ने बताया कि पूर्व में भीलवाड़ा जिला अध्यक्ष पद पर नियुक्त प्रहलाद तेली की नियुक्ति रद्द (निरस्त) की जाती हैं।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं संपादक संजय कुमार बाटला द्वारा इम्प्रेशंस प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग लिमिटेड, सी-18,19,20 सेक्टर 59, नोएडा (उत्तर प्रदेश) से मुद्रित एवं 3, प्रियदर्शनी अपार्टमेंट ए-4, पश्चिमी विहार, नई दिल्ली- 110063 से प्रकाशित। सम्पर्क : 9212122095, 98117320959.
किसी भी कानूनी विवाद की स्थिति में निपटारा दिल्ली के न्यायालय में ही होगा। समाचार पत्र में प्रकाशित किये गये मसौदे के लिए संपादक जिम्मेदार हैं। Title Code : DELHIN28985. DCP Licensing Number F.2 (P-2) Press/2023